वर्ष : 17 | अंक : 200 | मूल्य : 02 रुपया मात्र | पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित | सोमवार 11 मई 2026 | लोकतंत्र का स्तंभ

तमिलनाडु में नए युग की शुरुआत

विजय ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

एजेंसी। चेन्नई

तमिलनाडु की राजनीति में रविवार को एक ऐतिहासिक बदलाव देखा गया, जब तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजय के मुख्यमंत्री बनते ही राज्य की राजनीति में बीते छह दशकों से चले आ रहे डीएमके और एआईएडीएमके के दबदबे का अंत हो गया है। जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस भव्य समारोह में विजय के साथ उनके मंत्रिमंडल के नौ अन्य सदस्यों ने भी शपथ ली। इनमें एन. आनंद, आधव अर्जुन, केजी अरुण राज, केए. सेंगोट्टैयन, पी. वेंकेटरामनन, आर. निर्मलकुमार, राजमोहन, डॉ. टी.के. प्रभु और सेल्वी एस. कीर्तना शामिल हैं। कार्यक्रम में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित देश के कई दिग्गज राजनेता और फिल्मी हस्तियां मौजूद रहीं। स्टेडियम की पहली पंक्ति में विजय के माता-पिता, प्रसिद्ध

छह दशक पुराना द्रविड़ वर्चस्व ध्वस्त

फिल्म निर्माता एस.ए. चंद्रशेखर और शोभा चंद्रशेखर के साथ-साथ अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन और उनकी माता के लिए विशेष स्थान आरक्षित था। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच हजारों समर्थकों की मौजूदगी में यह समारोह संपन्न हुआ। 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत के आंकड़े से थोड़ा पीछे रह गई। हालांकि, कांग्रेस, सीपीआई और सीपीआई (एम) के समर्थन के साथ टीवीके गठबंधन को कुल 120 विधायकों का साथ मिला। विजय ने शनिवार रात राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर सहयोगी दलों के समर्थन पत्र सौंपे थे। राज्यपाल ने उन्हें 13 मई तक सदन में विश्वास मत हासिल करने का निर्देश दिया है। यह शपथ ग्रहण समारोह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक वैचारिक बदलाव का प्रतीक है। 1967 के बाद यह पहला मौका है जब तमिलनाडु में किसी गैर-द्रविड़ दल ने सत्ता की बागडोर संभाली है। इस जीत के साथ ही विजय ने फिल्मी पर्दे से निकलकर राजनीति के शिखर तक का सफर तय कर लिया है।

सीएम बनने पर पीएम मोदी ने विजय को दी बधाई, मदद का भी भरोसा दिया

विपक्षी पार्टियों को चेताया, कहा- कांग्रेस ने हवा बदलते ही पाला भी बदल लिया

चेन्नई। तमिलनाडु में विजय के ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें तमिलनाडु का सीएम बनने पर बधाई दी और साथ ही केंद्र सरकार की तरफ से पूरी मदद करने का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- सी जोसेफ विजय को तमिलनाडु के सीएम पद की शपथ लेने पर बहुत बधाई। उनके आगामी कार्यकाल के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। केंद्र सकार तमिलनाडु सरकार और वहां के लोगों की भलाई के लिए लगातार काम करती रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु की नई सरकार को बधाई देने के साथ ही एक दूसरे कार्यक्रम में पीएम मोदी कांग्रेस को एक परजीवी पार्टी बताते हुए अन्य विपक्षी पार्टियों को चेताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दशकों तक डीएमके के साथ खड़ी रही, लेकिन हवा बदलते ही उसने पाला भी बदल लिया। कर्नाटक में एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि तमिलनाडु की मौजूद स्थिति को देखिए। वहां पर पिछले 25 से 30 सालों तक कांग्रेस और डीएमके के बीच घनिष्ठ संबंध रहे। डीएमके के साथ गठबंधन ने कई बार कांग्रेस को संकटों से उबारा। वास्तव में, 2014 से पहले दस सालों तक कांग्रेस का जो शासन चला, वह काफी हद तक डीएमके के समर्थन के कारण ही चला, लेकिन जैसे ही राजनीतिक हवा ने रुख बदला, कांग्रेस ने डीएमके को धोखा दे दिया।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

युवाओं का बढ़ता गुस्सा सरकारों के लिए गंभीर चेतावनी

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वार्षिक रिपोर्ट केवल अपराधों के आंकड़े प्रस्तुत नहीं करती है, बल्कि समाज की बदलती मानसिकता और सामाजिक तनावों का भी आईना होती है। हाल की रिपोर्ट में झारखंड सहित कई राज्यों में 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं में बढ़ते गुस्से, असहिष्णुता और आक्रामकता को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। यह चिंता अपराधों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक बदलाव में उस मानसिक स्थिति का संकेत है, जिसमें भारत की सबसे बड़ी आबादी का युवा वर्ग धीरे-धीरे धैर्य और संतुलन खो रहा है। उसकी संलिप्तता कई अपराधों में महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक कारणों से होने लगी है। युवा वर्ग जरा-जरा सी बात पर गुस्से में नजर आ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार रेलवे में अपराध बढ़ रहे हैं।

साइबर अपराध, हत्या और आत्महत्या जैसी घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। जमीन और संपत्ति विवादों के कारण होने वाली हत्याओं में बढ़ोत्तरी असहिष्णुता का उदाहरण है। छोटी-छोटी बातों पर हिंसा, पारिवारिक कलह अब सामाजिक राजनीतिक एवं धार्मिक टकराव की सामान्य अपराधिक घटनाएं बनती जा रही हैं। इस स्थिति का मतलब है, समाज में संवाद और सहनशीलता का स्तर तेजी से कमजोर होता जा रहा है। युवाओं के भीतर बढ़ते गुस्से के पीछे सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण बेरोजगारी और महंगाई है। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। सरकारों की असंवेदनशीलता से युवाओं के भीतर गुस्सा निराशा और हताशा बढ़ रही है। बढ़ती महंगाई ने मध्यम और निम्न वर्गीय परिवारों की आर्थिक स्थिति को तेजी से खराब कर दिया है। रोजाना खाने-पीने और जरूरी खर्च भी नहीं उठा पा रहे हैं। युवा अपनी रोजाना की जरूरतों और भविष्य की असुरक्षा तथा शादी-ब्याह नहीं हो पाने के कारण भारी गुस्से में दिख रहा है। इसका एक नजारा पिछले दिनों बिहार में देखने को मिला। युवाओं के प्रदर्शन पर पुलिस ने जमकर लाठियां भांजी, यह स्थिति अब लगभग हर राज्य में दिखने लगी है। युवाओं ने जो सपने संजोए थे, वे सपने ही बनकर रह गए हैं। वास्तविकता से वह कोसों दूर हैं। जिसके कारण युवाओं का गुस्सा, मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा है, जो कानून व्यवस्था के लिए भी चुनौती बन रहा है।

रिपोर्ट में बढ़ते हुए अपराधों को महंगाई और बेरोजगारी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। सोशल मीडिया, डिजिटल संस्कृति, बाजारवाद ने इस समस्या को तेजी के साथ बढ़ाने का काम किया है। युवा अब तेजी से प्रतिक्रिया देने समूह के रूप में सड़कों पर उतरने लगा है। समूह में अपराध करने लगा है। कर्ज, महंगाई, बेरोजगारी के कारण युवाओं का धैर्य खत्म हो गया है। आपसी संवाद और संयम जैसी सामाजिक और मानवीय स्थिति कमजोर पड़ती जा रही है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

रंगास्वामी 13 मई को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली। पुडुचेरी में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एन. रंगास्वामी को पुडुचेरी का मुख्यमंत्री नियुक्त करने की मंजूरी दे दी। गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने एन. रंगास्वामी को पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री नियुक्त किया है और यह नियुक्ति उनके शपथ ग्रहण की तिथि से प्रभावी होगी। गृह मंत्रालय की अधिसूचना जारी होने के बाद पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने एन. रंगास्वामी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। सूत्रों के अनुसार, रंगासामी आगामी 13 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इसके साथ ही वे पांचवीं बार पुडुचेरी की सत्ता संभालेंगे। गौरतलब है कि पिछले महीने चार राज्यों के साथ केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भी विधानसभा चुनाव संपन्न हुए थे। 4 मई को घोषित चुनाव परिणामों में पुडुचेरी में ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्ता में वापसी की। चुनाव परिणामों के अनुसार, ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस ने 12 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि भाजपा को 4 सीटें मिलीं। इसके अलावा अन्नाद्रमुक और लाचिया जननायगा काची को एक-एक सीट प्राप्त हुई। रंगासामी का राजनीतिक सफर : एन. रंगास्वामी को पुडुचेरी की राजनीति का बेहद अनुभवी और लोकप्रिय चेहरा माना जाता है।

हंगरी में पीटर मग्यार ने ली नए पीएम की शपथ

बुडापेस्ट। हंगरी के पीएम के रूप में शनिवार को पीटर मग्यार ने शपथ ली। इसके साथ विक्टर ओर्बन के 16 सालों के निरंकुश शासन का अंत हो गया। मग्यार की मध्य-दक्षिणपंथी टिस्ज़ा पार्टी ने एक आश्चर्यजनक उलटफेर में पिछले महीने ओर्बन की राष्ट्रवादी-लोकप्रिय फिडेज पार्टी को हराया था। हंगरी में साम्यवादी शासन के खत्म होने के बाद किसी भी अन्य पार्टी की तुलना में मग्यार की पार्टी ने सबसे जयादा वोट हासिल किये और संसद की सीटें जीतीं। रिपोर्ट के मुताबिक इस चुनाव में टिस्ज़ा को संसद में दो-तिहाई बहुमत मिला, जिससे वह उन कई नीतियों को वापस ले सकेगी, जिनके कारण ओर्बन को उनके आलोचक धुर दक्षिणपंथी सत्तावादी करार देते थे। हंगरी की संसद में पीएम पद की शपथ लेने के बाद मग्यार ने सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि वह अपने पद का इस्तेमाल हंगरी पर ''शासन'' करने के लिए नहीं, बल्कि ''अपने देश की सेवा करने'' के लिए करेंगे। मग्यार ने कहा कि मैं यहां इसलिए नहीं खड़ा हूं क्योंकि मैं देश में किसी और से अलग हूं। मैं यहां इसलिए खड़ा हूं क्योंकि लाखों हंगरीवासियों ने बदलाव लाने का फैसला किया है। हमें जो विश्वास मिला है, वह हमारे लिए सम्मान और नैतिक दायित्व दोनों है, लेकिन साथ ही एक अद्भुत एहसास भी है। माना जा रहा है कि मग्यार की सरकार आने से हंगरी के यूरोपीय संघ के साथ राजनीतिक समीकरणों में बदलाव आएगा।

विकसित भारत के लक्ष्य को गति देगा तेलंगाना का विकास : प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में कहा कि राज्यों के विकास के बिना देश का विकास संभव नहीं है और तेलंगाना का विकास विकसित भारत के लक्ष्य को गति देगा। केंद्र सरकार राज्यों के तेज विकास को अपनी योजनाओं का केंद्र बिंदु मानकर काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने रविवार को हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एचआईसीसी) से वर्चुअल माध्यम से 9,400 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि तेलंगाना का सामर्थ्य राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक भी है। यहां के आसपास के क्षेत्र को देश का बड़ा विनिर्माण

केंद्र बनाने की दिशा में कई बड़े प्रकल्प शुरू किए जा रहे हैं, जिनसे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और राज्य की संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत इस समय सुधार और आधुनिक बुनियादी ढांचे की "एक्सप्रेस" पर आगे बढ़ रहा है। जहीराबाद औद्योगिक क्षेत्र का विकास इसी सोच का हिस्सा है। यह क्षेत्र एक औद्योगिक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा, बेहतर विद्युत आपूर्ति और उन्नत सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी नेटवर्क उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया भर के निवेशकों को उद्योग स्थापित करने के लिए आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस औद्योगिक क्षेत्र के विकास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही है और इससे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यहां बनने वाले वाहन, मशीनरी और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग किसानों और श्रमिकों को भी सशक्त करेंगे। प्रधानमंत्री ने वारंगल पीएम मित्र पार्क का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अपनी वस्त्र उद्योग की ऐतिहासिक विरासत को फिर से मजबूत कर रहा है। पीएम मित्र पार्क देश में वस्त्र क्रांति को नई गति देगा और यहां स्थापित होने वाली इकाइयों को केंद्र सरकार की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) का भी लाभ मिलेगा।

अमेरिका के मियामी बीच में बोट में जोरदार विस्फोट, 11 लोग गंभीर रुप से घायल

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के फ्लोरिडा में मियामी बीच के पास पर्यटन स्थल हॉलओवर सैंडबार पर अचानक एक बोट में जोरदार धमाका हो गया। इस भयानक विस्फोट में कम से कम 11 लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि हुई है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस विस्फोट की वजह से वहां मौजूद लोगों के बीच भारी अफरातफरी और दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस तुरंत इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद बचाव कार्य में जुट गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि यह भीषण धमाका बोट के अंदर अचानक गैस लीक होने के कारण हुआ था। हालांकि अधिकारी अभी भी

यह भीषण हादसा बोट के अंदर अचानक गैस लीक होने के कारण हुआ

इस दुर्घटना के सटीक कारणों की बहुत गहराई से जांच कर रहे हैं। फायर रेस्क्यू सर्विसेज के अधिकारियों ने इस घटना के बारे में कई अहम जानकारियां दी हैं। खबर के मिलते ही फ्लोरिडा फिश एंड वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। इसके साथ ही यूएस कोस्ट गार्ड के जवान भी मदद के लिए दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए।

बांग्लादेश में हाईकोर्ट का हिन्दू संत चिन्मय ब्रह्मचारी को जमानत देने से इनकार

ढाका। बांग्लादेश के चट्टोग्राम (पूर्व नाम चटगांव) केअलिफ हत्याकांड मामले में उच्च न्यायालय ने हिन्दू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को जमानत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस केएम जाहिद सरवर और जस्टिस शेख अबू ताहिर की बेंच ने उनकी जमानत याचिका पर पूर्व में जारी आदेश को खारिज कर दिया। बेंच चार अन्य मामलों में उनकी जमानत याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करेगी। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, चिन्मय दास की ओर से एडवोकेट अपूर्व कुमार भट्टाचार्य पेश हुए, जबकि डिप्टी अटॉर्नी जनरल शैला शर्मिन और असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल मो. अलामीन ने सरकार का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले 30 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े राजद्रोह के एक मामले में उन्हें जमानत प्रदान की थी। 31 अक्टूबर 2024 को चांदगांव मोहड़ा वार्ड इकाई के महासचिव फिरोज खान ने कोटवाली थाने में चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी और 19 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज कराया था। इस मामले में चिन्मय दास और कई अन्य लोगों को उसी वर्ष 25 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। राजद्रोह के मामले में उनकी जमानत याचिका खारिज होने के बाद 26 नवंबर 2025 को चटगांव कोर्ट परिसर में उनके समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के बीच झड़पें हुईं।

आज पूरी दुनिया भारत के आध्यात्मिक मूल्यों से प्रभावितः प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। बेंगलुरु

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि कोई भी अभियान तब सफल होता है, जब उसके साथ समाज की शक्ति जुड़ जाती है। उन्होंने कहा कि समाज, राजनीति और सरकारों से भी अधिक शक्तिशाली होता है। कोई भी सरकार तभी सफल हो सकती है, जब समाज स्वयं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाए। प्रधानमंत्री बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की 45वीं वर्षगांठ और गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर के 70वें जन्मोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में नवनिर्मित ध्यान मंदिर का उद्घाटन कर संस्था की मानसिक स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, प्रकृति संरक्षण तथा सामाजिक परिवर्तन से जुड़ी राष्ट्रव्यापी सेवा पहलों की शुरुआत की। अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि आज की सुबह अलग अनुभूति लेकर आई है। बच्चों के वैदिक मंत्रों से स्वागत, भगवान गणेश के दर्शन, श्रीश्री रविशंकर के 70 वर्ष और आर्ट ऑफ लिविंग के 45 वर्ष जैसे पल उनकी स्मृतियों में हमेशा बने रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुरुदेव ने मंच से जो बातें कहीं, लोगों को भले लगा हो कि वह उनकी प्रशंसा कर रहे थे लेकिन उन्हें ऐसा लगा जैसे उन्हें और अधिक काम सौंपा जा रहा हो। उन्होंने कहा, "जब आपका शताब्दी समारोह होगा तब मैं फिर से आऊंगा। मोदी ने कहा कि दिव्य और भव्य ध्यान मंदिर का लोकार्पण इस बात का प्रतीक है कि जब संकल्प

स्पष्ट हो और सेवाभाव से कार्य किया जाए तो हर प्रयास का सुखद परिणाम मिलता है। उन्होंने कहा, "बाकी कुछ हो या न हो, हम सब लोटस की छत्रछाया में हैं। गुरुदेव का आशीर्वाद है तो लोटस की छत्रछाया ही देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि बेंगलुरु दुनिया में सॉफ्टवेयर और सेवाओं के लिए जाना जाता है लेकिन इस शहर ने भारत की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाई दी है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत के आध्यात्मिक मूल्यों से प्रभावित हो रही है और इन्हीं प्राचीन परंपराओं से प्रेरित होकर 45 वर्ष पहले श्रीश्री रविशंकर ने आर्ट ऑफ लिविंग का बीज बोया था, जो आज विशाल वटवृक्ष के रूप में लोगों के जीवन को स्पर्श कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं से भरा देश है, जहां अनेक भाषाएं, परंपराएं, रीति-रिवाज और उपासना पद्धतियां हैं। इन विविधताओं को जोड़ने वाला मूल तत्व "स्वयं के लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए जीना" है। मोदी ने कहा कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही संस्कारों की धारा समाज को प्रेरित करती है और भारत के अनेक आध्यात्मिक आंदोलनों ने मानव सेवा के माध्यम से ही स्वयं को अभिव्यक्त किया है।

कांग्रेस करती है सिर्फ झूठ और विश्वासघात की राजनीति

उसकी सत्ता की किताब में गवर्नेंस का कोई अध्याय ही नहीं: पीएम

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि कांग्रेस सिर्फ झूठ और विश्वासघात की राजनीति करती है। कांग्रेस की सत्ता की किताब में गवर्नेंस का कोई अध्याय ही नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की जनता स्थिरता, विकास और राष्ट्रनीति के साथ खड़ी है और इसी कारण भारतीय जनता पार्टी तथा एनडीए को लगातार जनसमर्थन मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने यह बात कर्नाटक के बेंगलुरु में एक जनसभा में कहा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस खुद भी झूठी है और उसकी गारंटियां भी झूठी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में पिछले तीन वर्षों से जनता की समस्याएं सुलझाने की बजाय सरकार का अधिकतर समय आंतरिक कलह में बीत रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में यह तक तय नहीं हो पाता कि मुख्यमंत्री कितने दिन रहेंगे और किसे मौका मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को "परजीवी पार्टी" करार देते हुए कहा कि वह अपने सहयोगियों के साथ भी विश्वासघात करती है।

बंगाल के नए मुख्यमंत्री 'सबके लिए शासन' की संवैधानिक शपथ का पालन करें : जमीअत उलमा-ए-हिंद

एजेंसी। नई दिल्ली

जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी से कहा है कि वे राज्यपाल और बंगाल की जनता के समक्ष ली गई अपनी संवैधानिक शपथ की भावना और शब्दों का पूरी ईमानदारी के साथ पालन करें तथा बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों के साथ समान न्याय सुनिश्चित करें। मौलाना मदनी ने कहा कि यह संवैधानिक शपथ केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि अपने पद के प्रति कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी का सार्वजनिक स्वीकार है। इस शपथ के बिना कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन सकता और न ही इसके विपरीत आचरण करते हुए उस पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार रखता है। मौलाना

मदनी ने यह बातें मुख्यमंत्री के उस पूर्व बयान के संदर्भ में कहीं जिसमें उन्होंने खुलकर कहा था कि वे "सिर्फ हिंदुओं के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के बयान भारत के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने, लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना के विरुद्ध हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता किसी एक धर्म या राजनीतिक समूह की जागीर नहीं बल्कि पूरी जनता की अमानत है, जिसमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई तथा सभी वर्ग शामिल हैं। मौलाना मदनी ने कहा कि बंगाल की जनता नफरत की राजनीति या धार्मिक विभाजन नहीं बल्कि वास्तविक विकास और प्रभावी शासन चाहती है। हम यह नहीं कहते कि सरकार केवल मुसलमानों के लिए काम करे, बल्कि हम यह कहते हैं कि वह पूरे बंगाल और सभी नागरिकों के लिए काम करे। उन्होंने कहा कि जनता को स्वच्छ पानी, स्वच्छ वातावरण, बेहतर सड़कें, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, निवेश, किसानों और छोटे व्यापारियों के लिए न्याय, कानून का शासन तथा गरीबों की गरिमा की सुरक्षा चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि विकास न मस्जिद के दरवाजे पर रुकता है और न मंदिर के द्वार पर, तथा बुनियादी सुविधाओं को धर्म के आधार पर विभाजित नहीं किया जा सकता। यदि विकास वास्तव में अस्सी प्रतिशत जनता तक पहुंचेगा तो बाकी बीस प्रतिशत भी उससे वंचित नहीं रहेंगे।

लेबनान पर इजराइल का हमला जारी, कम से कम 24 की मौत

बेरूत। अमेरिकी मध्यस्थता से लेबनान और ईरान के बीच जारी संघर्ष विराम के दौरान यहां पल भर की शांति नजर नहीं आती। लेबनान पर इजराइल की लगातार बमबारी जारी है। शनिवार को हुए हमलों में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई। दक्षिणी लेबनान पर इजराइली हवाई और तोपखाने के हमलों में काफी तेजी आई है। अल जजीरा की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ने शनिवार को दक्षिणी लेबनान के नौ कस्बों और गांवों को खाली करना आदेश जारी किया। इसके बाद दक्षिण के कई इलाकों में हमले किए। दक्षिणी लेबनान में मरने वालों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। पिछले लगभग 48 घंटों में इजराइली हवाई, ड्रोन और तोपखाने के हमलों में काफी तेजी आई है। आरोप है कि दक्षिणी लेबनान में कई जगहों पर इजराइली सैनिकों ने तोड़फोड़ भी की है। बताया जा रहा है कि यह सब उस 'येलो जोन' के अंदर हो रहा है जिसे इजराइल ने घोषित किया है।

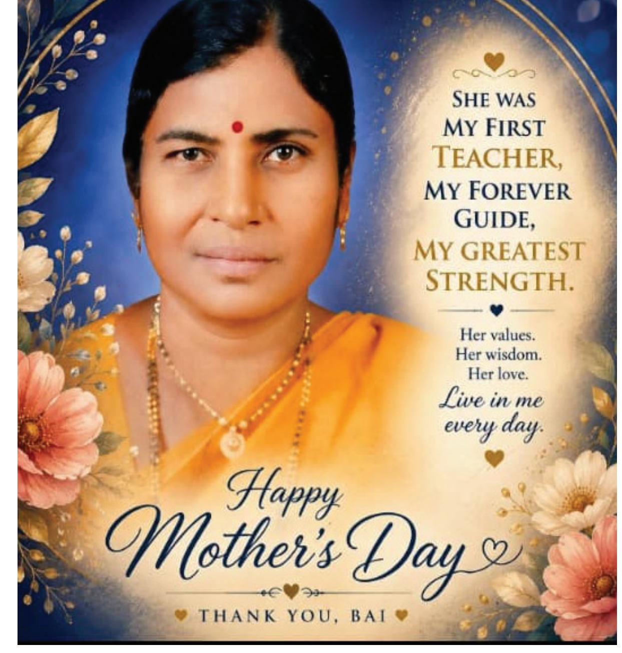

खास खबर

अशोक कुमार पंडा ने सेल के सीएमडी का कार्यभार संभाला

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। डॉ. अशोक कुमार पंडा ने शनिवार को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में कार्यभार को संभाल लिया है। पांडा ने अमरेंदु प्रकाश की जगह ली, जिनका कार्यकाल 01 अप्रैल को समाप्त हो गया था।अशोक कुमार पांडा इससे पहले कंपनी के निदेशक (वित्त) के रूप में काम कर रहे थे। इस दौरान लगभग 9 महीनों तक उनके पास निदेशक (वाणिज्यिक) का अतिरिक्त प्रभार भी रहा। डॉ अशोक कुमार पांडा ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी.ई. पूरा करने के बाद वर्ष 1992 में मैनेजमेंट ट्रेनी (तकनीकी) के रूप में सेल में अपने करियर की शुरुआत की थी। वे विगत 3 दशकों से अधिक की अपनी विशिष्ट सेवा, अटूट समर्पण और दृढ़ संकल्प के बल पर वह कंपनी के भीतर नेतृत्व के उच्चतम स्तर तक पहुंचे हैं।

भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 31 मई को, पारस्परिक संबंध होंगे मजबूत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारत और अफ्रीकी संघ आयोग के सहयोग से 31 मई को नई दिल्ली में चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन होगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच पारस्परिक संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य के सहयोग की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। 'आईए स्पिरिटः नवाचार, लचीलापन और समावेशी परिवर्तन के लिए भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझीदारी' के मुख्य विषय के साथ होने वाले इस सम्मेलन में अफ्रीकी महाद्वीप के शीर्ष नेता और क्षेत्रीय संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे, जिसका उद्देश्य भारत की विकास यात्रा को अफ्रीका के 'एजेंडा 2063' के साथ जोड़ना है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बीते 23 अप्रैल को इस शिखर सम्मेलन के आधिकारिक प्रतीक चिह्न (लोगो), वेबसाइट और थीम का अनावरण किया था, जो इस दीर्घकालिक साझीदारी के बहुआयामी स्वरूप को प्रदर्शित करता है। मुख्य शिखर सम्मेलन से पूर्व कूटनीतिक स्तर पर बैठकों का दौर शुरू होगा, जिसके तहत 28 मई को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक और 29 मई को भारत-अफ्रीका विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की जाएगी ताकि सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की जा सके। यह शिखर सम्मेलन वर्ष 2008 में नई दिल्ली से शुरू हुई उस ऐतिहासिक यात्रा का अगला चरण है, जिसने दिल्ली घोषणापत्र और रणनीतिक सहयोग के माध्यम से विकासशील देशों के बीच दक्षिण-दक्षिण सहयोग की एक नई मिसाल पेश की है। सरकारी वार्ताओं के साथ-साथ इस बार सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को नई ऊर्जा देने के लिए भारत-अफ्रीका संगीत एवं नृत्य महोत्सव, बिजनेस डायलॉग, प्रदर्शनी और ट्रैक-2 संवाद जैसे विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच जन-भागीदारी और साझा समृद्धि के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाएंगे।

वारंगल में देश के पहले कार्यरत 'पीएम मित्र पार्क' का उद्घाटन

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना के वारंगल में देश के पहले 1,695.54 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 'पीएम मित्र पार्क' का उद्घाटन किया है। यह पार्क केंद्र सरकार के '5 एफ विजन' (फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन) को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री ने वारंगल पीएम मित्र पार्क का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अपनी वस्त्र उद्योग की ऐतिहासिक विरासत को फिर से मजबूत कर रहा है। पीएम मित्र पार्क देश में वस्त्र क्रांति को नई गति देगा और यहां स्थापित होने वाली इकाइयों को केंद्र सरकार की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) का भी लाभ मिलेगा। इससे विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे। वस्त्र मंत्रालय के अनुसार यह पार्क नागपुर-विजयवाड़ा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे (राष्ट्रीय राजमार्ग-163जी) और एन एच-163 के निकट स्थित है, जो इसे रेलवे और बंदरगाहों से बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान करता है। पार्क को 'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज' तकनीक और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) के साथ डिजाइन किया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करता है। इसमें 10 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र, औद्योगिक श्रमिकों के लिए छात्रावास और प्रसंस्करण इकाइयों के लिए कॉमन बॉयलर जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। 1,327 एकड़ में फैले इस पार्क में 6,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2023 में केंद्र सरकार ने तेलंगाना सहित सात राज्यों (तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, यूपी, गुजरात और एमपी) में पीएम मित्रा पार्कों की मंजूरी दी थी। तेलंगाना सरकार के काकातिया मेगा टेक्सटाइल पार्क को ब्राउनफील्ड श्रेणी में इस योजना में शामिल किया गया है। यह पहल तेलंगाना के स्थानीय वस्त्र पारिस्थितिक तंत्र को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने और भारत को कपड़ा निर्माण का वैश्विक हब बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है।

राष्ट्रनिष्ठ चिंतक यशवंत राव केलकर के सूत्र से अभाविप की सशक्त नींव खड़ी हुई : दत्तात्रेय होसबाले

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) दिल्ली द्वारा अभाविप के संगठन शिल्पी एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रा. यशवंत राव केलकर के जन्मशती वर्ष के उपलक्ष्य में 'प्रिय केलकर जी' विशेष अभिवादन कार्यक्रम का भव्य आयोजन डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि बालासाहेब देवरस कहा करते थे कि यशवंतराव केलकर डॉ. हेडगेवार के कुलोत्पन्न हैं। प्रा. केलकर ने संगठन निर्माण के वे सूत्र दिए, जिन पर अभाविप की सशक्त नींव खड़ी हुई। उन्होंने अभाविप को केवल आंदोलन तक सीमित न रखते हुए रचनात्मकता, प्रतिनिधित्व एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा प्रदान की। प्रा. केलकर ने टीम वर्क, समय पालन, सादगी, संसाधनों के सदुपयोग एवं आत्मीय कार्यपद्धति के माध्यम से संगठन जीवन का आदर्श प्रस्तुत किया। वे बिना किसी ईर्ष्या-द्वेष के सभी को साथ लेकर चलने वाले व्यक्तित्व थे। उनका जीवन कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का अखंड स्रोत है। अभाविप की कार्यपद्धति एवं जीवन दृष्टि को उल्लेखित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रा. यशवंतराव केलकर के साथ कार्य करते हुए, विद्यार्थी परिषद में मुझे जीवन दृष्टि मिली और संघ में वह विकसित हुई। इस अवसर पर अभाविप के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजकुमार भाटिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. रघुराज किशोर तिवारी, अखिल भारतीय छात्रा कार्य प्रमुख मनु शर्मा कटारिया, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष डॉ तपन बिहारी तथा प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ प्रचारक, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव, प्राध्यापक, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष, दिल्ली सरकार के मंत्री, संघ प्रेरित संगठनों के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। राष्ट्रनिष्ठ चिंतक, संगठन शिल्पी एवं विद्यार्थी चेतना के प्रखर प्रेरणास्रोत प्रा. यशवंतराव केलकर जी का जन्म 25 अप्रैल 1925 को महाराष्ट्र के पंढरपुर (सोलापुर) में हुआ था। विद्यार्थी जीवन से ही राष्ट्रकार्य को जीवन का ध्येय मानने वाले केलकर जी ने 1945 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बनें। 1955 में अंग्रेजी के प्राध्यापक के तौर पर उन्होंने नेशनल कॉलेज में पढ़ाना शुरू किया और संघ के निर्देशानुसार अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का कार्य प्रारम्भ किया। उनकी कार्यशैली से अभाविप को वैचारिक स्पष्टता, संगठनात्मक दृष्टि एवं कार्यकर्ता निर्माण की ऐसी कार्यपद्धति प्राप्त हुई, जिसने अभाविप को अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान किया। उन्होंने छात्र शक्ति को राष्ट्र निर्माण की शक्ति के रूप में स्थापित करने का कार्य किया। कार्यक्रम में पुणे से आई मिलिंद भड़गे के नेतृत्व वाली अभिवादन टोली ने 'प्रिय केलकर जी' प्रस्तुति के माध्यम से प्रा. केलकर जी के जीवन, विचार एवं कार्यपद्धति को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से मंचित किया। प्रस्तुति में अभाविप की कार्यशैली, पूर्व योजना-पूर्ण योजना, समय संतुलन, अनुशासन, सामूहिकता तथा कार्यकर्ता निर्माण की उस जीवंत पद्धति को प्रस्तुत किया गया, जिसे प्रा. केलकर जी ने अपने जीवन से स्थापित किया।

अमित शाह ने लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक के दौरान संभावित बाढ़ और लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में स्थित 30 उच्च जोखिम वाली झीलों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना में कम से कम 60 झीलों को शामिल किया जाना चाहिए। यह प्रणाली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से विकसित की जानी चाहिए। श्री शाह ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर बाढ़ पूर्वानुमान के लिए एक एकीकृत प्रणाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन दल (एफसीएमटी) गठित और सक्रिय किए जाने चाहिए। आपदाओं के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा जारी दिशानिर्देशों से जागरूकता बढ़ी है और "समग्र सरकारी" दृष्टिकोण विकसित हुआ है लेकिन राज्य, जिला और नगरपालिका स्तर पर इन दिशानिर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करने से इनके कार्यान्वयन को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने एनडीएमए को एक अध्ययन करना चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि कितने राज्य वन अग्नि, लू और बाढ़ से निपटने के लिए गृह मंत्रालय के निर्देशों और एनडीएमए के दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि जल भंडारण और चेक डैम परियोजनाओं के माध्यम से जल संरक्षण और भूजल स्तर में सुधार की अधिक संभावनाओं का पता लगाया जाना चाहिए। हमारा उद्देश्य नदियों पर चेक डैम बनाकर जल संरक्षण करना और साथ ही लू के प्रभाव को कम करना होना चाहिए। इसके अलावा, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों को अधिक बहुआयामी बनाने के लिए कैम्पा फंड का उपयोग किया जाना चाहिए।शाह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम के बदलते स्वरूप और उससे उत्पन्न होने वाली आपदा संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए "संपूर्ण सरकारी" और "संपूर्ण सामाजिक" दृष्टिकोण अपनाते हुए एक व्यापक योजना तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने बैठक में उपस्थित मंत्रालयों और विभागों के अधिकारियों से नए ऐप और पोर्टल बनाने के बजाय मौजूदा ऐप और पोर्टलों को सुदृढ़ और बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हमारी मौसम संबंधी योजनाएं जमीनी स्तर तक पहुंचें। इस बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय गृह सचिव, विभिन्न मंत्रालयों के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य और विभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अध्यक्ष सहित अन्य राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र (एनआरएससी) और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री का नई दिल्ली दौरा : मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्रियों से की मुलाकात

पेयजल, सिंचाई एवं ऊर्जा परियोजनाओं पर की चर्चा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य तथा विद्युत मंत्री मनोहर लाल एवं केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान की विभिन्न पेयजल, सिंचाई एवं ऊर्जा परियोजनाओं से जुड़े विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने शहरी विकास कार्य, ऊर्जा परियोजनाओं, जल जीवन मिशन, राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता सहित महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रगति को लेकर विस्तृत बातचीत की।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट' को लेकर पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखकर, पर्यावरण मंजूरी की प्रक्रिया पर उठाए सवाल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना को लेकर केंद्र सरकार पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि परियोजना को दी गई पर्यावरणीय मंजूरी अधूरी और अपर्याप्त पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) रिपोर्टों के आधार पर प्रदान की गई है। जयराम रमेश का कहना है कि सरकार द्वारा जारी 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एफएक्यू' में किए गए कई दावे मंत्रालय के आधिकारिक दस्तावेजों और उपलब्ध अध्ययनों से मेल नहीं खाते। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना पत्र साझा करते हुए कहा कि सरकार ने 01 मई को जारी एफएक्यू में दावा किया था कि परियोजना के संभावित पर्यावरणीय प्रभावों की व्यापक पहचान, मूल्यांकन और प्रबंधन मजबूत पर्यावरण प्रभाव आकलन प्रक्रिया तथा विस्तृत पर्यावरण प्रबंधन योजना के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह इस विषय पर पहले भी 03 मई को विस्तृत प्रतिक्रिया दे चुके हैं, लेकिन अब कुछ अतिरिक्त तथ्यों और तकनीकी बिंदुओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। रमेश ने अपने पत्र में कहा कि कानून के अनुसार अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बंदरगाह परियोजनाओं के लिए व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन अध्ययन अनिवार्य है। उन्होंने तर्क दिया कि ग्रेट निकोबार की जैव विविधता और पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील तथा विशिष्ट है, इसलिए यहां कम से कम तीन मौसमों पर आधारित आधारभूत अध्ययन आवश्यक था, ताकि मौसमी बदलावों और पर्यावरणीय प्रभावों का सही तरीके से मूल्यांकन किया जा सके। जयराम रमेश ने पर्यावरण मंत्रालय के 03 नवंबर 2009 के कार्यालय ज्ञापन का उल्लेख करते हुए कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 50 लाख टन प्रतिवर्ष से अधिक क्षमता वाली बंदरगाह परियोजनाओं के लिए व्यापक ईआईए, भौतिक एवं गणितीय मॉडलिंग तथा जमीनी सत्यापन अनिवार्य है।रमेश के अनुसार इतने बड़े स्तर की परियोजना के लिए केवल सीमित अवधि के अध्ययन के आधार पर मंजूरी देना पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की 2021 की मैपिंग में गैलाथिया खाड़ी के बड़े हिस्से को कटावग्रस्त तटीय क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया था। ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में विस्तृत और दीर्घकालिक पर्यावरणीय अध्ययन की आवश्यकता होती है। उन्होंने पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर के 2015 के लोकसभा वक्तव्य का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि केवल एक मौसम के आंकड़ों पर आधारित त्वरित ईआईए पर्यावरणीय चिंताओं का पर्याप्त समाधान नहीं कर सकता। रमेश ने आरोप लगाया कि परियोजना के लिए तैयार अंतिम ईआईए रिपोर्ट मार्च 2022 में प्रस्तुत की गई थी, लेकिन उसमें स्वयं स्वीकार किया गया है कि पर्यावरणीय आधारभूत अध्ययन केवल दिसंबर 2020 से फरवरी 2021 के बीच एक ही मौसम में किया गया। उनके अनुसार यह अध्ययन वैज्ञानिक मानकों और दीर्घकालिक पर्यावरणीय मूल्यांकन की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता। रिपोर्ट के हवाले से उन्होंने कहा कि जैव विविधता का प्राथमिक सर्वेक्षण केवल 14 से 22 दिसंबर 2020 के बीच किया गया, जबकि लेदरबैक कछुओं का अध्ययन 12 से 18 फरवरी 2021 तक सीमित रहा। उनका कहना है कि इतनी कम अवधि के अध्ययन से किसी क्षेत्र की वास्तविक पारिस्थितिक स्थिति और जैव विविधता का समुचित आकलन संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि ईआईए रिपोर्ट में स्वीकार किया गया है कि घने और अभेद्य जंगलों के कारण सर्वेक्षण सीमित स्तर तक ही संभव हो पाया। रिपोर्ट में यह टिप्पणी भी दर्ज है कि अब तक जो जानकारी सामने आई है वह पूर्ण नहीं है और जो अब भी अज्ञात है, वह संभवतः अधिक महत्वपूर्ण और मूल्यवान हो सकता है। रमेश के अनुसार यह टिप्पणी स्वयं इस बात का संकेत है कि अध्ययन अधूरा था। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भारतीय प्राणी सर्वेक्षण की रिपोर्ट फरवरी-मार्च 2021 के आंकड़ों पर आधारित थी, जबकि भारतीय वन्यजीव संस्थान की रिपोर्ट ने स्वयं को 'रैपिड असेसमेंट स्टडी' बताया है, जो अप्रैल 2021 में कुछ दिनों के दौरे पर आधारित थी। इसके अलावा परियोजना प्रस्तावक एएनआईआईडीसीओ के आवेदन पत्र में भी ईआईए अध्ययन की अवधि कुछ दिनों और सप्ताहों तक सीमित बताई गई है। रमेश ने आरोप लगाया कि जिन अध्ययनों के आधार पर पर्यावरणीय मंजूरी दी गई, वे न तो व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन हैं और न ही पर्याप्त आधारभूत आंकड़ों पर आधारित वैज्ञानिक अध्ययन। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की रिपोर्टें विज्ञान और ईआईए प्रक्रिया दोनों का मजाक बनाती हैं। कांग्रेस नेता ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 03 अप्रैल 2023 के फैसले का उल्लेख करते हुए कहा कि अधिकरण ने पर्यावरणीय मंजूरी में "अनुत्तरित कमियों" की बात कही थी और मामले की पुनर्समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्देश दिया था। रमेश ने आरोप लगाया कि पर्यावरण मंत्रालय ने समिति की रिपोर्ट को गोपनीय रखा है, जबकि यह सार्वजनिक महत्व और पर्यावरणीय हितों से जुड़ा विषय है। जयराम रमेश ने अपने पत्र में कहा कि ग्रेट निकोबार की जैव विविधता वैश्विक स्तर पर अत्यंत विशिष्ट और दुर्लभ है। यहां लगातार नई वनस्पति और जीव प्रजातियों की खोज हो रही है। उनका कहना है कि परियोजना के वर्तमान स्वरूप से इस अनूठे पारिस्थितिक तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने प्रतिपूरक वनीकरण के तर्क को भी अव्यावहारिक बताते हुए कहा कि सदियों पुराने प्राकृतिक वनों की भरपाई कृत्रिम वृक्षारोपण से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी कहा कि कई सुरक्षा विशेषज्ञ पहले ही लिख चुके हैं कि देश की सामरिक और सुरक्षा आवश्यकताओं को पर्यावरणीय विनाश के बिना भी पूरा किया जा सकता है। अंत में रमेश ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से परियोजना की वर्तमान रूपरेखा, पर्यावरणीय मंजूरी प्रक्रिया और उससे जुड़े सभी अध्ययनों की पुनर्समीक्षा कराने का आग्रह किया है।

"संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि संस्कार भी देता है" — डॉ. चेतन जोशी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। सीसीआरटी द्वारका स्थित भरतमुनि नाट्यगृह ऑडिटोरियम में आयोजित मेलोडी फाउंडेशन का 19वां वार्षिक सांस्कृतिक समारोह "आरोहन 2026" संगीत, नृत्य और प्रतिभा का यादगार महोत्सव बन गया। कार्यक्रम में कला, संस्कृति और समावेशिता का सुंदर संगम देखने को मिला।कार्यक्रम का शुभारंभ मनमोहक गणेश वंदना से हुआ, जिसके पश्चात मेलोडी फाउंडेशन की संस्थापक एवं आयोजक मधुमिता आचार्य ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा कला के माध्यम से सामाजिक समावेशिता को बढ़ावा देना है। सांस्कृतिक संध्या में शास्त्रीय संगीत से सुसज्जित समूह गीत, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर पर आधारित प्रश्नोत्तरी, बंगाली समूह नृत्य, बच्चों द्वारा प्रस्तुत राग यमन, राग शुद्ध कल्याण, राग मालकौंस तथा कलाकारों द्वारा प्रस्तुत "कथक समर्पण" ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं आशा भोंसले को समर्पित संगीतमय श्रद्धांजलि भी आकर्षण का केंद्र रही। मुख्य अतिथि प्रख्यात बांसुरी वादक एवं संगीत नाटक पुरस्कार से सम्मानित डॉ. चेतन जोशी ने कहा, "संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, संवेदनशीलता और आत्मिक शांति प्रदान करने वाली शक्ति है।" उन्होंने मेलोडी फाउंडेशन द्वारा युवा प्रतिभाओं और समावेशिता को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की सराहना की।

बीएचयू के 'साथी' केंद्र पहुंचे डॉ जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक अनुसंधान सुविधाओं की समीक्षा की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने रविवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के सहयोग से स्थापित 'साथी' केंद्र का दौरा कर वहां उपलब्ध वैज्ञानिक अनुसंधान सुविधाओं और उन्नत उपकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 'साथी-बीएचयू' उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और उद्योग सहयोग का राष्ट्रीय केंद्र बनकर उभरा है।डॉ. जितेन्द्र सिंह ने बीएचयू के कुलपति प्रो. ए.के. चतुर्वेदी और शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग देशभर के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में वैज्ञानिक आधारभूत संरचना और अनुसंधान सहायता तंत्र का विस्तार कर रहा है, ताकि उन्नत प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक सुविधाओं तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि 'साथी', 'फिस्ट' और अन्य अनुसंधान कार्यक्रम नवाचार, स्टार्टअप और उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरिक्ष प्रयोगशालाओं और अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों और युवा शोधकर्ताओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है।दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री ने 'सॉफिस्टिकेटेड एनालिटिकल एंड टेक्निकल हेल्प इंस्टीट्यूट' (साथी) की आधारभूत संरचना, विश्लेषणात्मक क्षमताओं और भविष्य की योजनाओं की समीक्षा की। उन्हें केंद्र की कार्यप्रणाली और वहां स्थापित उच्च स्तरीय वैज्ञानिक उपकरणों के बारे में जानकारी दी गई।लगभग 72 करोड़ रुपये की सहायता से स्थापित 'साथी-बीएचयू' राष्ट्रीय स्तर की साझा वैज्ञानिक अवसंरचना सुविधा है, जो शिक्षण संस्थानों, अनुसंधान संस्थाओं, उद्योगों, एमएसएमई और स्टार्टअप को उन्नत उपकरण और तकनीकी सेवाएं उपलब्ध कराती है। उन्हें बताया गया कि केंद्र में सुपर रेजोल्यूशन कॉन्फोकल माइक्रोस्कोपी, एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी, हाई रेजोल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमेट्री, क्लीन रूम सुविधा और अन्य अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। केंद्र अब तक करीब 1,100 उपयोगकर्ताओं को सेवाएं दे चुका है और 30,000 से अधिक नमूनों का विश्लेषण किया जा चुका है।

जल संरक्षण जनआंदोलन बने, तभी आत्मनिर्भर होगा विदर्भ : नितिन गडकरी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि विदर्भ को किसान आत्महत्या क्षेत्र की पहचान से बाहर निकालने और गांवों में जल समृद्धि लाने के लिए जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश में पानी की कमी नहीं है, बल्कि जल संसाधनों की उचित योजना और प्रबंधन का अभाव है। गडकरी रविवार को नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर 17 और 18 मई को नागपुर में 'जलसंवाद' और 'जलक्रांति' सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक चरणसिंह ठाकुर और उमेश यादवकर भी उपस्थित रहे।गडकरी ने कहा कि जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई और कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से जल प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सकता है। खेत तालाबों से निकली मिट्टी का राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में उपयोग किए जाने से पश्चिमी विदर्भ के अकोला, वाशिम और बुलढाणा जिलों में भूजल स्तर बढ़ाने में मदद मिली है। साथ ही किसानों ने अपनी फसल पद्धति में भी बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन जनभागीदारी उससे भी अधिक आवश्यक है। वरुड-मोर्शी और काटोल-नरखेड़ जैसे भूजल संकट वाले 'डार्क जोन' क्षेत्रों में जनसहभागिता से नदी और नालों के गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इन प्रयासों के माध्यम से जल संरक्षण परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने स्थानीय स्वशासी संस्थाओं से भी इन अभियानों में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।गडकरी ने बताया कि पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था पिछले 25 वर्षों से जल संरक्षण के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। संस्था द्वारा विकसित 'तामसवाड़ा मॉडल' को देशभर में पहचान मिली है। संस्था के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 17 मई को सिविल लाइंस स्थित डॉ. वसंतराव देशपांडे सभागार में शाम चार बजे 'नागपुर जलसंवाद-2026' राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होगा। इस सम्मेलन का विषय 'किसान आत्महत्या मुक्त विदर्भ के समाधान के रूप में जल संरक्षण' रखा गया है। इसमें जल संकट और सिंचाई समस्याओं के समाधान पर विस्तार से चर्चा की जाएगी, ताकि किसानों को आर्थिक स्थिरता मिल सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता नितिन गडकरी करेंगे। सम्मेलन में देहरादून के डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, चित्रकूट के उमाशंकर पांडे और सहारनपुर के सेठपाल सिंह विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा असम के केशोब कृष्ण चात्रधारा, सेंटर फॉर वाटर पीस के संजय कश्यप, नागालैंड की जल विशेषज्ञ स्वेडेविनो नात्सो तथा राज्य मंत्री आशीष जायसवाल और डॉ. पंकज भोयर भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। 18 मई को सुबह 11 बजे रेशिमबाग स्थित कविवर्य सुरेश भट सभागार में 'जलक्रांति सम्मेलन' आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में संस्था के 25 वर्षों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी और विदर्भ में लागू 'तामसवाड़ा पैटर्न' जैसे जल संरक्षण अभियानों पर विशेष चर्चा होगी।सम्मेलन में अभिनेता और पानी फाउंडेशन के संस्थापक आमिर खान, नाम फाउंडेशन के अध्यक्ष नाना पाटेकर और सचिव मकरंद अनासपुरे विशेष आकर्षण होंगे। इसके अलावा महाराष्ट्र के मृदा एवं जल संरक्षण मंत्री संजय राठौड़, डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ के कुलपति डॉ. शरद गडाख तथा गोंडवाना विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रशांत बोकारे भी कार्यक्रम में भाग लेंगे। मुख्य कार्यक्रम के बाद 18 मई को दोपहर 2:30 बजे जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण पर विस्तृत विचार-विमर्श भी आयोजित किया जाएगा। इसमें संस्था द्वारा पिछले ढाई दशकों में किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

गौकशी मामले में पुलिस का एक्शन दो आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद ,नजीबाबाद : नजीबाबाद में गौकशी के मामले को लेकर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पूरा मामला बिजनौर जिले के थाना नजीबाबाद के साहनपुर क्षेत्र का बताया जा रहा है, जहां सरवनपुर डैम के पास पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस को कुछ संदिग्ध लोगों की गतिविधियां दिखाई दीं। जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जिन्होंने पूछताछ में अपने नाम अल्लू और याक़ूब बताए हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से अवैध तमंचे, कारतूस और गौकशी में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण भी बरामद किए गए हैं। हालांकि इस दौरान दो अन्य आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब रहे, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी है। नजीबाबाद पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप का माहौल बना हुआ है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद की समीक्षा बैठक में संगठन का विस्तार किया गया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, अमरोहा: रविवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद की समीक्षा बैठक संगठन के राष्ट्रीय सचिव नेमपाल सिंह यादव एडवोकेट के अमरोहा जोया रोड स्थित चिड़ियाबाग मोहल्ले में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट ने की तथा संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता टेकचंद सिंह राणा ने किया, बैठक में अब तक के कार्यों की समीक्षा की गई तथा विभिन्न विषयो पर विचार विमर्श किया गया, वहीं बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए परिषद में 15 लोगों को पदभार प्रदान किए गए और नियुक्ति पत्र सौंपे गए तथा नवनियुक्त पदाधिकारीयो का फूलमाला पहना कर स्वागत भी किया गया, इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयो से संगठन के हित में कार्य करने तथा अधिक से अधिक आरटीआई लगाकर भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रहार करने का आवाहन किया, इस मौके पर प्रमोद कुमार शर्मा, अरुण त्यागी, मनोज गोयल, अली अहमद सैफी, शंकर सिंह, सत्येंद्र अग्रवाल, टीपी सिंह, प्रमोद अग्रवाल, देवेंद्र सिंह, हरेंद्र सिंह, माया गुप्ता, सपना प्रजापति, धनीराम सिंह, नेमपाल यादव, विजय पारछा, राहुल पारछा, रणवीर सिंह आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भूपेंद्र चौधरी को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर विधायक आवास पर बाटी गई मिठाई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर: रविवार को हसनपुर में भाजपा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी को योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाए जाने की घोषणा किए जाने के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है, इस अवसर पर विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ अपने आवास/ कैम्प कार्यालय पर जश्न मनाया और भूपेंद्र चौधरी एवं समस्त मंत्री गणों को बधाई देते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाई, इस अवसर पर विधायक आवास पर जमकर आतिशबाजी की गई तथा "भारत माता की जय, "बीजेपी जिंदाबाद, "वंदे मातरम आदि जैसे नारे लगाए गए वही विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने कहा कि भूपेंद्र चौधरी को कैबिनेट में शामिल करने से संगठन को और मजबूती मिलेगी साथ ही उत्तर प्रदेश में विकास कार्य को भी गति प्राप्त होगी, इस मौके पर मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, हसनपुर मंडल अध्यक्ष राजू राणा, देवेंद्र खड़कवंशी, मयंक अग्रवाल, शिखर अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, अजय पॉल, विजय पारछा, राहुल पारछा, यशपाल सिंह, हेमराज सैनी, महेश अग्रवाल, सोनिया प्रजापति, पवन राज जाटव, कामिल सैफी आदि सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बरेली ने सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में फिर दिखाया दम, प्रदेश में हासिल किया दूसरा स्थान

(बरेली संदीप चंद्रा उत्तर प्रदेश), बरेली: उत्तर प्रदेश सरकार के सीएम डैशबोर्ड की अप्रैल 2026 की रैंकिंग में बरेली जनपद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि प्रशासनिक कार्यों में बेहतर मॉनिटरिंग और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम मानी जा रही है। जारी रैंकिंग के अनुसार विकास कार्यों में बरेली को प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त हुआ, जबकि राजस्व कार्यों में जनपद दूसरे स्थान पर रहा। विकास और राजस्व दोनों श्रेणियों के संयुक्त मूल्यांकन में बरेली ओवरऑल रैंकिंग में प्रदेश में दूसरे नंबर पर पहुंच गया। सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर हर महीने विभिन्न विभागों की योजनाओं, सेवाओं और परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया जाता है। इसी प्रदर्शन के आधार पर जिलों की रैंकिंग तय होती है। इस सफलता के पीछे जिलाधिकारी अविनाश सिंह की लगातार मॉनिटरिंग और साप्ताहिक समीक्षा बैठकों को अहम माना जा रहा है। डीएम ने नियमित रूप से विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और फील्ड स्तर पर कार्यों की निगरानी सुनिश्चित की। उपलब्धि पर जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि विकास और राजस्व कार्यों में इसी गति और पारदर्शिता को आगे भी बनाए रखा जाए। उन्होंने उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों और अन्य विभागीय टीमों के प्रयासों की भी सराहना की।

लायंस क्लब रामपुर चिराग द्वारा मदर्स डे पर जूस की बोतल, फल, समोसे, बिस्कुट के पैकेट इत्यादि वितरण कार्यक्रम

मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। उत्तर प्रदेश/सामाजिक सेवा के अपने सतत् संकल्प को निभाते हुए लायंस क्लब रामपुर चिराग द्वारा मदर्स डे के शुभ अवसर पर 10 मई की शाम को कुष्ट आश्रम जाकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चिराग क्लब की संस्थापक लायन सरिता विश्नोई और क्लब की पदाधिकारी लायन सुधा अधिकारी ने कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा भाव के साथ कुष्टआश्रम जाकर उन लोगों को जूस की बोतल, बिस्कुट के पैकेट, फल और समोसे वितरित किये ।जिसको पाकर वहाँ मौजूद बच्चो और महिलाओ के चेहरे खिल उठे और सबके चेहरे ओर प्यारी सी मुस्कान आ गयी. वहां मौजूद बुजुर्गो ने क्लब के पदाधिकारियों को ढेर सारा आशीर्वाद दिया! और भोलेनाथ के भजन गाये और भोले के जयकारे लगाए 1 क्लब के सभी मेंबर्स की यही कोशिश रहती हैं कि जो भी परेशान हाल है उन सबको कुछ खुशियाँ बाट पाए 1 कार्यक्रम में समाज कल्याण अधिकारी श्री चंद्र मोहन विश्नोई, डॉक्टर अमित अधिकारी आदि भी शामिल रहे। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि लायंस क्लब चिराग समाज के जरूरतमंद वर्ग की सेवा के लिए निरंतर कार्यरत है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य करता रहेगा। स्थानीय नागरिकों ने क्लब की इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। लायंस क्लब रामपुर चिराग इंटरनेशनल

AIMIM कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों को जन् जन तक पहुंचाए : छुन्नन अल्वी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: रविवार को ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक संभल अड्डे पर स्थित एक निजी मैरिज हॉल में आयोजित की गई बैठक में संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई, इस मौके पर प्रदेश महासचिव बिजनौर व हापुड़ के प्रभारी हाजी शाहजहां खान ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि असदुद्दीन ओवैसी देश के एकमात्र ऐसे नेता हैं जो सड़क से लेकर संसद तक जनता के हक की आवाज उठा रहे हैं उन्होंने ओवैसी को मजलूम और अल्पसंख्यकों की लड़ाई लड़ने वाला बताया, इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष छुन्नन अल्वी ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वह बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी की मुहिम को सफल बनाते हुए पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं, वहीं जिला प्रभारी साजिद सैफी ने बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को जोड़ने की रणनीति पर अपने विचार रखें, इस मौके पर दर्जनों कार्यकर्ताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई तथा नियुक्ति पत्र भी सौंपे गए, कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधानसभा अध्यक्ष छुन्नन अल्वी, हाफिज आसिफ शहज़ेब सलमानी, मारूफ अंसारी, फिरोज अंसारी, अनवर खान, डॉक्टर वकार, नासिर कस्सार,फारोज कस्सार सादिक कादरी आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे 1

योगी मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार, आठ ने ली शपथ

लोकतंत्र की शान

लखनऊ: योगी मंत्रिमंडल का रविवार को विस्तार हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने जनभवन के गांधी सभागार में नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल के नए सदस्य के रूप में भूपेंद्र सिंह चौधरी, मनोज कुमार पांडेय ने कैबिनेट मंत्री तथा कृष्णा पासवान, सुरेंद्र दिलेर, हंसराज विश्वकर्मा, कैलाश सिंह राजपूत ने राज्यमंत्री के रूप में शपथ ली। योगी सरकार में राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल व सोमेंद्र तोमर का प्रमोशन हुआ। दोनों राज्यमंत्रियों ने अब राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली। नवनियुक्त मंत्रियों ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। शपथ ग्रहण के उपरांत जनभवन का गांधी सभागार भारत माता की जय व जयश्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। गौरतलब है कि भूपेंद्र सिंह चौधरी विधान परिषद सदस्य हैं। वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं, जबकि मनोज कुमार पांडेय ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। वहीं राज्यमंत्री की शपथ लेने वालीं कृष्णा पासवान खागा से, सुरेंद्र दिलेर खैर से और कैलाश सिंह राजपूत तिर्वा से विधायक हैं। हंसराज विश्वकर्मा विधान परिषद सदस्य हैं। शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, महामंत्री (संगठन) धर्मपाल, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक आदि मौजूद रहे।

यूपी में फिल्म कृष्णावतारम् टैक्स फ्री

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फिल्म कृष्णावतारम् को उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री कर दिया है। रविवार को मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद राज्यपाल आनंदीबेन व सीएम योगी ने दोनों उप मुख्यमंत्री, मंत्रीगण और जनप्रतिनिधियों ने एक साथ यह फिल्म देखी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने इसे टैक्स फ्री करने को घोषणा की। राजधानी स्थित लोकभवन सभागार उस समय पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूब गया, जब फिल्म 'कृष्णावतारम्' की विशेष स्क्रीनिंग के दौरान "कृष्णा कृष्णा, राधे राधे" के जयघोष से पूरा सभागार गूंज उठा। इस दौरान सभागार खचाखच भरा रहा और फिल्म को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। इस दौरान सीएम योगी ने मंच पर कलाकारों का सम्मान भी किया।

झलक-फिल्म 'कृष्णावतारम्'

फिल्म में द्वापर युग और सनातन संस्कृति की में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन को मानवीय दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में द्वापर युग, भारतीय पुरातन संस्कृति और सनातन परंपरा के विभिन्न आयामों को भव्यता के साथ दर्शाया गया है। फिल्म की सबसे खास बात यह रही कि इसमें भगवान कृष्ण के साथ राधा, रुक्मिणी और सत्यभामा की प्रेम कथाओं को अलग-अलग स्वरूपों में प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वृंदावन बिहारी लाल की जय और भारत माता के जयकारे लगाए। उन्होंने कहा कि यह अद्भुत संयोग है कि आज मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद शपथ ग्रहण करने वाले सभी मंत्री पूरे मंत्रिमंडल के साथ इस अद्भुत कार्यक्रम में सहभागी बने। करीब ढाई घंटे तक सभी एक साथ यहां बैठे रहे और हर एक चेहरे पर नई रौनक दिखाई दे रही थी।

उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा और संस्कृति से जुड़ी भगवान श्री कृष्ण पर आधारित इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग के साथ हम सभी यहां जुड़े हैं। फिल्म के कलाकार भी यहां उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के रूप में सत्यभामा का किरदार निभाने वाली कलाकार का नाम भी संस्कृति है, जिन्होंने इस भूमिका को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है।

बरेली में सरकारी जमीन घोटाले पर बड़ी कार्रवाई: तहसीलदार हटाए गए, कानूनगो-लेखपाल सस्पेंड DM अविनाश सिंह का सख्त एक्शन

लोकतंत्र की शान

(बरेली संदीप चंद्रा उत्तर प्रदेश) बरेली के नवाबगंज तहसील में सरकारी जमीन से जुड़े कथित फर्जीवाड़े ने राजस्व विभाग में हड़कंप मचा दिया है। ग्राम ज्योरा मकरंदपुर में सरकारी भूमि को निजी लोगों के पक्ष में दर्ज करने के मामले में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सख्त कार्रवाई करते हुए तहसीलदार को तहसील से हटाकर कलेक्ट्रेट से संबद्ध कर दिया है, जबकि कानूनगो और लेखपाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्रशासनिक जांच में सामने आया कि वर्ष 2013 में हुए पट्टों में "16 नंबर" भूमि के अभिलेखों में कूटरचित तरीके से फेरबदल किया गया। आरोप है कि धारा 38 के तहत आवश्यक लेखपाल रिपोर्ट के बिना ही कानूनगो द्वारा फाइल आगे बढ़ा दी गई। इसके बाद तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ने भी पर्याप्त परीक्षण किए बिना प्रकरण को उपजिलाधिकारी न्यायिक की अदालत में भेज दिया। जांच में यह भी सामने आया कि मूल अभिलेखों के बजाय छायाप्रतियों के आधार पर अमलदरामद करा दिया गया, जिससे सरकारी भूमि निजी नामों में दर्ज हो गई। एसडीएम नवाबगंज की रिपोर्ट के बाद जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मामले को गंभीर मानते हुए तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। कार्रवाई के तहत तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह को तहसील से हटाकर जिला मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। वहीं कानूनगो श्याम सुंदर गुप्ता और लेखपाल रामचंद्र को निलंबित कर दिया गया है। डीएम अविनाश सिंह ने साफ कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे या गड़बड़ी में शामिल अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई अधिकारी दो बार निलंबित पाया गया तो उसके खिलाफ बर्खास्तगी तक की कार्रवाई हो सकती है। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद राजस्व विभाग में खलबली मच गई है। सरकारी जमीनों से जुड़े मामलों में अब लापरवाही और फर्जीवाड़े पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनी शुक्ला को जन्मदिन पर मिलीं विशेष शुभकामनाएं,कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

लोकतंत्र की शान, व्यूरो अवनीत कुमार शर्मा

लखनऊ /राजधानी। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय रोशनी शुक्ला जी के जन्मदिन के पावन अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह एवं श्रद्धा भाव के साथ उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर संगठन से जुड़े लोगों में खुशी की लहर देखने को मिली और सभी ने उनके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि रोशनी शुक्ला जी संगठन की वह मजबूत स्तंभ हैं, जो निरंतर कर्तव्य पथ पर चलते हुए महिलाओं को संगठित करने, समाज को जागरूक करने और राष्ट्र सेवा की भावना को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। उनका नेतृत्व संगठन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा ने भी रोशनी शुक्ला जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह सनातन धर्म की मशाल बनकर समाज में सकारात्मक संदेश दे रही हैं। उनका सेवा भाव और नेतृत्व क्षमता प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि रोशनी शुक्ला जी के नेतृत्व में महिला प्रकोष्ठ लगातार संगठन को मजबूती देने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि "ऐसे व्यक्तित्व जिनका जीवन राष्ट्र सेवा, संगठन और धर्म के प्रति समर्पित हो, उनका जन्मदिन केवल एक दिन नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का पर्व होता है।" इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने कामतानाथ महाराज से प्रार्थना करते हुए कहा कि भगवान रोशनी शुक्ला जी को दीर्घायु प्रदान करें, परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहे, संगठन दिन-प्रतिदिन नई ऊंचाइयों को छुए और राष्ट्र सेवा का यह संकल्प और अधिक मजबूत हो। संगठन के लोगों ने कहा कि रोशनी शुक्ला जी नारी शक्ति की प्रेरणा हैं तथा उनका मार्गदर्शन महिला कार्यकर्ताओं को आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उनके नेतृत्व में महिला प्रकोष्ठ संगठन के उद्देश्यों को मजबूती के साथ जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। अंत में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में रोशनी शुक्ला जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सूफी अकरम साहब 6 महीने के रोजे रखने वाले सूफी अकरम 26 साल हो गए हैं 6 महीने के रोजे रखने वाले सलाहनीय कार्य

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर: उत्तर प्रदेश/सफी मोहम्मद अकरम साबरी प्राण कलियर शरीफ उत्तराखंड में रहते हैं रामपुर के निवासी हैं उत्तराखंड में दरगाह पर सेवा उत्तराखंड में ही निवास करने लगे हैं जो इन दोनों रामपुर में आए हुए हैं सफी मोहम्मद अकरम साबरी के मुरीद ने यह बताया सूफी अकरम साहब 6 महीने के रोजे रखते हैं रजब महीने की पहली तारीख से और मोहर्रम की 10 तारीख तक लगातार रोजे रखते हैं सूफी अकरम साहब को 26 साल हो गए 6 महीने के रोजे रखते हुए उनके मुरीद मोहम्मद जावेद साहब ने यह बताया की हजरत कलियर शरीफ से इन दोनों रामपुर अपने पुश्तैनी मकान पर आए हुए हैं उनके घर पर मिलने वालों का हम लगा रहता है सूफी अकरम साहब ने यह बताया जैसे जिंदा रहने के लिए खाने की जरूरत पड़ती है वैसे ही रूहानी ताकत के लिए इबादत की जरूरत पड़ती है इबादत 100 बुराइयों से दूर रखती है अकरम साहब ने यह कहा अपने मुल्क और धर्म और सभी इंसानों से मोहब्बत करना भी एक इबादत में शुमार किया जाता है सफी मोहम्मद अकरम साबरी ने यह कहा यह रमजान का मुबारक महीना है इसमें सभी लोग इबादतों पर ध्यान दें अफवाहों पर नहीं इन दिनों वह अपने मकान मोहल्ला लाल कब्र पर आए हुए हैं वह रमजान के बाद कलियर शरीफ वापस रवाना हो जाएंगे

चेयरमैन राजपाल सैनी ने भूपेंद्र चौधरी के कैबिनेट मंत्री बनने पर बाटी मिठाई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: शनिवार को पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने अपने आवास/ कैंप कार्यालय पर उत्तर प्रदेश सरकार में 6 नए मंत्रियों को मंत्री पद की शपथ दिलाए है जाने तथा कैबिनेट मंत्री के रूप में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाते हुए एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुबारकबाद दी, इस मौके पर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रहे भूपेंद्र चौधरी जी को फिर से कैबिनेट मंत्री बनाए जाने से भाजपा को मजबूती मिलेगी और कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी के नेतृत्व में भाजपा और मजबूत होगी तथा विकास कार्य को गति मिलेगी, इस मौके पर मुख्य रूप से पालीका अध्यक्ष राजपाल सैनी, जिला उपाध्यक्ष अभिनव कौशिक,इशांत सैनी, राकेश सैनी,संजय सहदेव, संजीव सैनी, पप्पू सिंह, अंकुर प्रजापति , धर्मेंद्र सिंह दीप कुमार, प्रदीप कुमार, विक्की आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे 1

नजीबाबाद में आज़ाद समाज पार्टी को मिला बड़ा बल, अबरार आलम अंसारी का जोरदार स्वागत

- नजीबाबाद में सियासी उलट फेर शुरू किसके सर सजेगा ताज
- नजीबाबाद में जैसे जैसे चुनाव आते है वैसे ही नेताओं के दल बदलें का खेल शुरू हो जाता है

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। नगर में आज खुर्शीद मंसूरी के कैंप कार्यालय पर आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व ब्लॉक प्रमुख एडवोकेट अबरार आलम अंसारी के आज़ाद समाज पार्टी में शामिल होने पर कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। बैठक में आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक रणनीति और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए खुर्शीद मंसूरी ने कहा कि प्रदेश की जनता अब बदलाव चाहती है और आज़ाद समाज पार्टी दलित, मुस्लिम, पिछड़े और गरीब वर्ग की मजबूत आवाज़ बनकर उभर रही है। उन्होंने कहा कि नजीबाबाद विधानसभा में पार्टी शिक्षा, रोजगार, सम्मान और विकास जैसे मुद्दों को लेकर मजबूती से चुनाव मैदान में उतरेगी। वहीं पूर्व ब्लॉक प्रमुख एडवोकेट अबरार आलम अंसारी ने कहा कि 2027 का चुनाव जनता बनाम सत्ता के अहंकार का चुनाव होगा। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में लोग भाजपा और पारंपरिक राजनीतिक दलों से निराश हैं और अब जनता बदलाव का मन बना चुकी है। उन्होंने दावा किया कि आज़ाद समाज पार्टी शोषित, वंचित और गरीब समाज को मजबूत राजनीतिक भागीदारी दिलाने का काम करेगी। बैठक में भीम सेन हल्दिया प्रदेश कोर कमेटी सदस्य, सुखवीर प्रधान, अशोक कुमार विधानसभा अध्यक्ष, रजत कुमार, वीरेंद्र सिंह, सुल्तान कुरैशी नगर अध्यक्ष, भागूवाला के पूर्व प्रधान अब्दुल हई, पूरे प्रधान शमशीद अंसारी, राहतपुर के पूर्व प्रधान मुस्तफा, मंडावली के पूर्व प्रधान साबू, अयाज़ अंसारी, अनीस अहमद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

एक करोड़ की हेरोइन के साथ 4 तस्कर अरेस्ट, हाजीपुर बनता जा रहा ड्रग्स सप्लाई का बड़ा केंद्र

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बाद सूखे नशे के कारोबार में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। नशे के आदी लोगों और मादक पदार्थ बेचने वाले गिरोहों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसी कड़ी में अब हाजीपुर ड्रग्स सप्लाई का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में पुलिस ने कई बार मादक पदार्थ की बड़ी खेप जब्त की है, लेकिन इसके बावजूद हेरोइन और अन्य ड्रग्स की सप्लाई का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा। वैशाली पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में हेरोइन के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन लोग असम के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जबकि एक महिला भी इस गिरोह में शामिल पाई गई है। पुलिस ने महिला को शहर में मादक पदार्थ की डिलीवरी करते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया। नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार तस्करों के पास से 526 ग्राम हेरोइन, 80 हजार रुपये नकद, चार मोबाइल फोन और कई एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी जा रही है। कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में भी हलचल मच गई है। माना जा रहा है कि यह गिरोह लंबे समय से जिले में सक्रिय था और संगठित तरीके से ड्रग्स सप्लाई का नेटवर्क चला रहा था। मामले का खुलासा करते हुए सदर एसडीपीओ ने बताया कि मादक पदार्थ की यह खेप असम के दीमापुर से हाजीपुर लाई गई थी। स्थानीय तस्कर अश्विनी कुमार के जरिए इसे जिले के अलग-अलग इलाकों में सप्लाई किया जाना था। हालांकि, इससे पहले ही पुलिस को गुप्त सूचना मिल गई और कार्रवाई करते हुए पूरे सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर दिया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अब इस ड्रग्स सिंडिकेट के पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है। अधिकारियों का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क के तार बिहार के किन-किन जिलों और अन्य राज्यों से जुड़े हुए हैं। बरामद मोबाइल और एटीएम कार्ड के जरिए आर्थिक लेनदेन और संपर्कों की भी जांच की जा रही है।

वैशाली में महिला का शव रखकर क्लीनिक पर तोड़फोड़ डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का लगाया आरोप

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के कटहरा थाना क्षेत्र के अखियारपुर सेहान पंचायत स्थित एक निजी क्लीनिक 'ग्रामीण चिकित्सक परामर्श केंद्र' में परिजनों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने 50 वर्षीय महिला मुस्कान देवी का शव क्लीनिक में रखकर तोड़फोड़ की और घंटों प्रदर्शन किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्लीनिक की घेराबंदी कर शव को अपने कब्जे में लिया। फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने में लग गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि निजी क्लीनिक के डॉक्टर भूषण ने इलाज में लापरवाही बरती, जिसके कारण मुस्कान देवी की मृत्यु हो गई। उनका कहना है कि मुस्कान देवी का इलाज इसी निजी अस्पताल में चल रहा था। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि मुस्कान देवी की मौत घर पर ही हुई थी, जिसके बाद शव को क्लीनिक पर लाकर तोड़फोड़ की गई। मृतका के पति देवेंद्र कुमार उर्फ टुन्नु ने जानकारी दी कि उनकी पत्नी को आज सुबह पेट दर्द हुआ था। मुस्कान देवी की शादी लगभग 11 वर्ष पहले देवेंद्र कुमार उर्फ टुन्नु से हुई थी। उनकी अपनी कोई संतान नहीं थी, जिसके बाद उन्होंने 2021 में अपने साढ़ू के बेटे, 11 वर्षीय रोहित कुमार को गोद लिया था। मुस्कान देवी तीन दिन पहले ही अपनी ननद की शादी में गांव आई थीं। कटहरा थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। FSL टीम भी जांच में जुटी है। उन्होंने यह भी बताया कि परिजनों की ओर से अभी तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चलती ऑटो में महिला से सोने का हार छीना, बिदुपुर में तीसरी बार हुई वारदात

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र में शनिवार शाम करीब चार बजे एक चलती ऑटो में सवार महिला से बाइक सवार बदमाशों ने सोने का हार छीन लिया। मधुरापुर स्थित वैशाली सेंट्रल पब्लिक स्कूल के पास हुई यह घटना इस इलाके में गहने छीनने की तीसरी वारदात है। पीड़िता रूबी देवी महनार के अलीपुर गांव की निवासी हैं। वह बिदुपुर में एक शादी समारोह से अपने घर लौट रही थीं और उन्होंने घर जाने के लिए एक सीएनजी ऑटो बुक किया था। रूबी देवी के अनुसार, रास्ते में बाइक सवार दो युवकों ने उनके गले से सोने का ढोलना (हार) झपट लिया। बदमाश वैशाली सेंट्रल पब्लिक स्कूल चौराहे से दक्षिण दिशा में फरार हो गए। पीड़िता ने बताया कि बदमाशों ने मास्क पहन रखे थे। गहना छीनने के बाद एक बदमाश कुछ दूर तक पैदल भागा और फिर एक बाइक पर सवार होकर अपने साथी के साथ फरार हो गया। घटना के बाद महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग जमा हो गए। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 और बिदुपुर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

डिजिटल स्टूडियो-सीएससी सेंटर का संचालक गिरफ्तार, अवैध वेबसाइटों से बनाते थे आधार-पैन

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने फर्जी सरकारी दस्तावेज बनाने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में एक डिजिटल स्टूडियो और सीएससी सेंटर के संचालक को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह अवैध वेबसाइटों का उपयोग कर आधार कार्ड, वोटर आईडी और पैन कार्ड सहित कई सरकारी दस्तावेज फर्जी तरीके से तैयार कर रहा था। सीसीएसएसपी पटना से मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर थाना वैशाली ने कार्रवाई की। पुलिस ने भगवानपुर रत्ती चौक स्थित एक डिजिटल स्टूडियो और सीएससी सेंटर पर छापेमारी कर संचालक राजीव रंजन कुमार को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी अगस्त 2024 से अवैध वेबसाइटों का उपयोग कर फर्जी दस्तावेज बना रहा था और प्रत्येक दस्तावेज के लिए 200 से 2500 रुपये वसूलता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के लैपटॉप और मोबाइल की ब्राउजिंग हिस्ट्री से अवैध वेबसाइटों के इस्तेमाल के पुख्ता सबूत मिले हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी ने पुलिस टीम के सामने कुछ ही मिनटों में फर्जी आधार कार्ड और वोटर आईडी तैयार कर उसका प्रिंट भी निकाला। ये दस्तावेज हूबहू असली दस्तावेजों जैसे दिख रहे थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 4 लैपटॉप, 2 मोबाइल, एक डेस्कटॉप, फिंगर प्रिंट स्कैनर और आई स्कैनर बरामद किए। इसके अलावा, भारी मात्रा में विभिन्न व्यक्तियों के आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, बैंक पासबुक और अन्य दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने 17,400 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। साइबर डीएसपी चांदनी सुमन ने बताया कि इन फर्जी दस्तावेजों का उपयोग बैंक खाते खोलने, साइबर धोखाधड़ी और अन्य अवैध गतिविधियों में किया जा रहा था। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, आईटी एक्ट और आधार अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

टीआरई-4 अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन

5 जिलों में सीएम का पुतला फूंका, पटना में सम्राट सरकार के खिलाफ नारेबाजी

लोकतंत्र की शान , पटना

TRE-4 अभ्यर्थियों पर पुलिस की लाठीचार्ज को लेकर पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का पुतला दहन किया जा रहा है। पटना के GPO गोलंबर के पास शाम करीब 4:30 बजे सभी छात्र संगठन जुटे और TRE-4 कैंडिडेट्स के लिए आवाज बुलंद किया। इस दौरान सम्राट सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। साथ की मुख्यमंत्री का पुतला फूंका गया। इससे पहले समस्तीपुर, बक्सर, सहरसा, भागलपुर और रोहतास में भाकपा (माले) और छात्र संगठनों ने CM सम्राट चौधरी का पुतला दहन किया। प्रदर्शन कर रहे माले नेताओं ने कहा कि छात्र अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बावजूद पुलिस ने कार्रवाई की, जो अलोकतांत्रिक है। छात्रों पर हुए इस हमले के खिलाफ भाकपा–माले, आइसा और आरवाईए ने संयुक्त आह्वान किया है। तीनों संगठनों ने लाठीचार्च का निंदा करते हुए कहा है कि यह युवाओं की लोकतांत्रिक आवाज को कुचलने की साजिश है। तीनों संगठनों ने मांग किया है कि तत्काल TRE-4 की वैकेंसी निकाली जाए। अभ्यर्थियों की सभी जायज मांगों को पूरा किया जाए और लाठीचार्ज के दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। घायल अभ्यर्थियों के इलाज और मुआवजे की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

लाठीचार्ज भाजपा–जदयू सरकार की दमनकारी मानसिकता– भाकपा–माले: इस प्रदर्शन को लेकर इन तीनों संगठन का कहना है कि अपने भविष्य, रोजगार और शिक्षक बहाली की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे TRE-4 अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। यह भाजपा-जदयू सरकार की दमनकारी मानसिकता का खुला प्रदर्शन है। जिन युवाओं के हाथों में कल देश और समाज की शिक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी होगी, वही युवा पीढ़ी को अपराधियों की तरह सड़कों पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा जा रहा है।

लाठीचार्ज के दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई हो: भाकपा–माले: बिहार में लाखों पद खाली पड़े हैं। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है, लेकिन सरकार बहाली निकालने के बजाय युवाओं पर लाठियां बरसा रही है। भाजपा-जदयू सरकार रोजगार देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। जब-जब नौजवान अपने हक, रोजगार और शिक्षा के सवाल पर सड़कों पर उतरते हैं, तब-तब सरकार पुलिस बल के जरिए आंदोलन को कुचलने का प्रयास करती है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलहनीय मामलों का हुआ सफल निपटारा

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा व्यवहार न्यायालय परिसर में आज राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार के सुलहनीय मामलों का निष्पादन आपसी सहमति के आधार पर किया गया। इस लोक अदालत का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष द्वारा किया गया। लोक अदालत के दौरान बैंक ऋण, विद्युत बकाया, आपराधिक वाद, मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद तथा अन्य प्री-लिटिगेशन मामलों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया गया। पक्षकारों ने आपसी सहमति से अपने विवादों को समाप्त कर राहत की सांस ली। कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही। बड़ी संख्या में लोगों ने इस अवसर का लाभ उठाया और बिना लंबी न्यायिक प्रक्रिया के अपने मामलों का समाधान प्राप्त किया। जिला विधिक सेवा

प्राधिकार के पदाधिकारियों ने बताया कि लोक अदालत का उद्देश्य सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से न केवल न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ कम होता है, बल्कि आम जनता को भी शीघ्र न्याय मिलता है। दिनभर चले इस आयोजन में सैकड़ों मामलों का निपटारा किया गया, जिससे लोगों में संतोष और न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ।

19 मई को जिले की पंचायतों में लगेगा सहयोग शिविर, जनशिकायतों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जनशिकायतों के सुलभ एवं प्रभावी निवारण को लेकर सहरसा जिला प्रशासन ने पंचायत स्तर पर विशेष सहयोग शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में समाहरणालय, सहरसा द्वारा संयुक्त आदेश जारी करते हुए आगामी 19 मई 2026 को जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित करने की अधिसूचना जारी की गई है। जारी आदेश के अनुसार प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत स्तर पर सहयोग शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें आम लोगों की शिकायतों एवं आवेदनों का त्वरित एवं नियमानुकूल निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर की अध्यक्षता जिलाधिकारी, उप

विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता एवं अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी करेंगे। प्रशासन द्वारा जारी सूची के अनुसार जिले के कहरा, महिषी, नवहट्टा, सिमरी बख्तियारपुर, सलखुआ, सौरबाजार, सत्तर कटैया, सोनवर्षा एवं पतरघट प्रखंडों की विभिन्न पंचायतों में पंचायत सरकार भवन, सामुदायिक भवन एवं विद्यालय परिसरों में शिविर लगाए जाएंगे। शिविर पूर्वाह्न 10 बजे से प्रारंभ होगा। संयुक्त आदेश में सभी संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे शिविर के सफल संचालन, विधि-व्यवस्था संधारण एवं शिकायतों के त्वरित निष्पादन को सुनिश्चित करें। साथ ही आवेदन एवं परिवाद पत्र प्राप्त करने हेतु नामित कर्मियों को पूर्व से ही शिविर स्थल पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि अधिकाधिक शिकायतें प्राप्त कर उनका समयबद्ध निष्पादन किया जा सके। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को समाचार पत्रों एवं मीडिया के माध्यम से शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि आमजन तक इसकी सूचना पहुंच सके और लोग इसका लाभ उठा सकें। वहीं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचलाधिकारियों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं कर्मियों के माध्यम से पंचायत स्तर पर लोगों को जागरूक करने को कहा गया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों एवं शिकायतों को पंजीकृत कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। न्यायिक एवं राजस्व मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष बल दिया गया है। संबंधित अधिकारियों को लंबित एवं निष्पादित मामलों की सूची भी शिविर स्थल पर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि आम लोगों को जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सके। प्रशासन ने शिविर समाप्ति के बाद संबंधित पदाधिकारियों से संक्षिप्त प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया है। इसमें शिकायतों के निष्पादन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों की जानकारी भी अंकित करने को कहा गया है, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। जिला जनशिकायत कार्यालय, सहरसा को पूरे कार्यक्रम की निगरानी एवं अनुश्रवण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासन का कहना है कि इस पहल से पंचायत स्तर पर लोगों की समस्याओं के समाधान में तेजी आएगी और आमजन को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा।

नए ट्रैफिक नियमों से बढ़ी सख्ती, नियम तोड़ने पर लगेगा भारी जुर्माना

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा "यातायात चालान निपटान योजना 2026" के तहत नए ट्रैफिक नियम लागू कर दिए गए हैं। नई व्यवस्था के अनुसार अब ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा, वहीं कई गंभीर मामलों में जेल की सजा का भी प्रावधान किया गया है। यातायात विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस योजना के अंतर्गत कुछ धाराओं में किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी। विभाग की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन वाहन चालकों को अपने लंबित ई-चालान का डिजिटल प्रिंट आउट साथ लाना होगा। साथ ही चालान भुगतान के लिए नकद राशि रखने की भी सलाह दी गई है, क्योंकि सर्वर डाउन रहने की स्थिति में ऑनलाइन भुगतान में परेशानी हो सकती है। बताया गया कि 31 मार्च 2026 से पहले के 90 दिनों से लंबित चालान ही लोक अदालत में सुनवाई के लिए स्वीकार किए जाएंगे तथा वित्तीय वर्ष 2025 तक के सभी चालानों का एक साथ निपटारा किया जाएगा। नए नियमों के तहत बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने पर 5,000 तक का जुर्माना लगाया जाएगा। बिना लाइसेंस वाले व्यक्ति को वाहन चलाने देने पर भी समान दंड का प्रावधान रखा गया है। तेज गति से वाहन चलाने, रेड लाइट जंप करने, स्टॉप साइन का उल्लंघन करने और गलत दिशा में वाहन चलाने पर वाहन की श्रेणी के अनुसार 1,000 से 5,000 तक जुर्माना लगाया जाएगा। दो पहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट और तीन सवारी संबंधी नियमों को लेकर भी सख्ती बढ़ाई गई है। बिना हेलमेट वाहन चलाने तथा बाइक पर तीन सवारी बैठाने पर 1,000 तक जुर्माना देना होगा। वहीं सीट बेल्ट नहीं लगाने, बच्चों के लिए सुरक्षा प्रावधान नहीं रखने और ओवरलोडिंग करने पर भी भारी जुर्माना तय किया गया है। सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण नियमों के उल्लंघन पर भी सख्त रुख अपनाया है। प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं होने या निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने पर 10,000 तक जुर्माना लगाया जा सकता है। बिना बीमा वाहन चलाने पर पहली बार 2,000 और दोबारा पकड़े जाने पर अधिक दंड का प्रावधान किया गया है। यातायात विभाग के अनुसार कुछ गंभीर अपराधों में किसी भी प्रकार की छूट नहीं मिलेगी। शराब पीकर वाहन चलाने पर 10,000 जुर्माना या छह माह तक जेल, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चलाने पर 5,000 जुर्माना या जेल तथा खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर 1,000 से 5,000 तक जुर्माना और कारावास की सजा हो सकती है। दुर्घटना के बाद पीड़ित की सहायता नहीं करने पर भी 5,000 तक का दंड निर्धारित किया गया है। नाबालिग द्वारा वाहन चलाने के मामलों में अभिभावकों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में 25,000 तक जुर्माना और तीन वर्ष तक की सजा का प्रावधान रखा गया है। वहीं ओवरलोडिंग करने वाले व्यावसायिक वाहनों पर 20,000 के साथ प्रति अतिरिक्त टन 2,000 अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा। यातायात विभाग ने आम लोगों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करें तथा सुरक्षित ड्राइविंग को अपनी जिम्मेदारी समझें। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान केवल चालान काटने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

राज्य स्तरीय ग्रैपलिंग चैंपियनशिप में सहरसा के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: आरा स्थित खेल भवन में आयोजित बारहवीं राज्य स्तरीय ग्रैपलिंग चैंपियनशिप में सहरसा जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में राज्य के 30 जिलों से कुल 338 बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में सहरसा जिले के सत्तर प्रखंड अंतर्गत पंचगछिया गांव निवासी विशाल कुमार ने 79 किलोग्राम वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। वहीं कोपरिया निवासी सुरज कुमार ने कांस्य पदक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों को भारतीय ग्रैपलिंग संघ के महासचिव सुबोध कुमार द्वारा मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सहरसा ग्रैपलिंग संघ के जिला सचिव हरेंद्र सिंह मेजर ने बताया कि पिछले

वर्ष सहरसा जिले को ग्रैपलिंग खेल संघ की मान्यता मिलने के बाद राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहला पदक मो. इम्तियाज को प्राप्त हुआ था। वहीं सहरसा जिला ग्रैपलिंग संघ के अध्यक्ष जितेन्द्र चौहान ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार इस खेल में जिले के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिल रहा है, जो जिले के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर जिले के विभिन्न खेल संघों एवं खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अब मंगलवार से दर्शक कर सकेंगे जानवरों का दीदार

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना जू आज यानी रविवार और सोमवार को दो दिन के लिए बंद रहेगा। दरअसल, शुक्रवार को तेज बारिश के कारण पटना जू में 30 से अधिक पेड़ गिर गए थे। इस वजह से शनिवार को पटना जू को विजिटर्स के लिए बंद किया गया था। इन गिरे पेड़ों को हटाने का काम शुरू किया गया, लेकिन काम में अधिक समय लगने के कारण चीजों को व्यवस्थित करने में अभी समय लगेगा। इसलिए रविवर को भी पटना जू बंद रखा गया है। सोमवार को सप्ताहिक बंदी होती है। इस करण अब विजिटर्स मंगलवार से ही पटना जू में जा सकते हैं। पेड़ गिरने की वजह से 52 साल में पहली बार पटना जू को बंद किया गया है। भीषण आंधी और बारिश के बाद पटना जू परिसर में गिरे दर्जनों पेड़ों को हटाने का काम रविवार को भी जारी रहेगा। तेज हवाओं के कारण चिड़ियाघर की कई सड़कें बाधित हो गई थीं, जिससे पूरे परिसर में

♦ बारिश के कारण गिरा था पेड़

आवागमन प्रभावित हो चुका है। पटना जू के निदेशक हेमंत पाटिल ने बताया कि, 'परिसर के अलग-अलग हिस्सों में कई बड़े पेड़ गिर गए हैं। इन्हें हटाने के लिए हाइड्रा और जेसीबी मशीनों की मदद ली जा रही है। सफाई अभियान में 200 से अधिक कर्मचारियों को लगाया गया है।'

मेट्रो का पहला इंटरचेंज स्टेशन अगस्त में होगा शुरू

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना मेट्रो जल्द ही शहर के पांच स्टेशनों पर दौड़ती नजर आएगी। CMRS (कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी) के निरीक्षण के बाद अब सिर्फ अंतिम हरी झंडी का इंतजार है। इसी बीच खेमनीचक और मलाही पकड़ी के बीच बनने वाला पटना मेट्रो का पहला इंटरचेंज स्टेशन तेजी से तैयार किया जा रहा है। हालांकि, शुरुआती संचालन के दौरान यहां मेट्रो का ठहराव नहीं होगा। अधिकारियों के मुताबिक, अगस्त तक स्टेशन का निर्माण पूरा होने की संभावना है। इसके बाद यह स्टेशन पटना मेट्रो के दोनों प्रमुख कॉरिडोर को आपस में जोड़ने का काम करेगा।

कॉरिडोर-1 और कॉरिडोर-2 रूट की ट्रेनें मिलेंगी: खेमनीचक एलिवेटेड स्टेशन को एक्सचेंज स्टेशन बनाया जा रहा है। यहां से कॉरिडोर-1 और कॉरिडोर-2 दोनों तरफ जाने वाली रूट की मेट्रो मिलेगी। कॉरिडोर-1 की मेट्रो सेवा जगनपुरा, मीठापुर और पटना जंक्शन तक जाएगी। कॉरिडोर-2 की ट्रेनें मलाही पकड़ी, राजेंद्रनगर, पीएमसीएच और गांधी मैदान होते हुए पटना जंक्शन तक पहुंचेंगी। इससे शहर के पूर्वी, मध्य और पश्चिमी हिस्सों के बीच सीधा कनेक्टिविटी मिलेगी।

कॉरिडोर- 1 में 60% काम पूरा: इसी कारण दोनों दिशाओं से आने वाली ट्रेनों के लिए अलग-अलग प्लेटफार्म और कॉनकोर्स एरिया बनाया जा रहा है। इसमें कॉरिडोर-2 का प्लेटफॉर्म चालू है। ट्रायल रन के दौरान यहां से मेट्रो गुजर भी चुकी है। इसके अलावा कॉनकोर्स एरिया का निर्माण पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग का काम जारी है। वहीं, कॉरिडोर-1 के प्लेटफार्म और कॉनकोर्स एरिया का निर्माण कार्य 60 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया है।

यात्रियों के लिए 5 लिफ्ट, 6 एस्केलेटर लगेगा: इस स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए 5 लिफ्ट और 6 एस्केलेटर लगा जाएंगे। इस स्टेशन पर यात्रियों के लिए दो-दो प्रवेश और निकास द्वार बन रहा है। खेमनीचक इंटरचेंज मेट्रो स्टेशन दो मंजिला होगा। इस कारण यात्रियों को ट्रेन की सवारी करने के लिए दो जगहों पर लिफ्ट और एस्केलेटर का इस्तेमाल करना होगा। जमीन से टिकट एरिया (कॉनकोर्स एरिया) में जाने के लिए लिफ्ट और एस्केलेटर का इस्तेमाल करेंगे। वहीं, टिकट लेने के बाद यात्री ट्रेन की सवारी करने के लिए पुनः टिकट एरिया से लिफ्ट और एस्केलेटर का इस्तेमाल कर प्लेटफार्म पर जाएंगे।

❑ खेमनीचक एलिवेटेड स्टेशन पर दो कॉरिडोर जुड़ेंगे, पूर्वी-पश्चिमी हिस्से के बीच मिलेगी सीधी कनेक्टिविटी

संक्षिप्त समाचार

फरीदाबाद : शटर उठाते समय लगा करंट, हुई युवक की मौत

लोकतंत्र की शान : फरीदाबाद। गौंछी मोड स्थित दुकान खोलते का शटर खोलते हुए करंट लगने से एक 23 साल के युवक की मौत हो गई। युवक करीब 3 साल से यहां पर किराए पर दुकान लेकर मीट बेचने के का काम करता था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल भिजवा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सराय ख्वाजा का रहने वाला इरशाद (23) गौंछी मौड पर चिकन की दुकान चलाता था। रविवार की सुबह वह दुकान खोल रहा था। शटर में बिजली का करंट आ रहा था। जैसे ही उसने शटर को उठाने के लिए पकड़ा तो उसको उसको करंट लग गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों को मुताबिक, परिवार के लोगों को इसकी सूचना पड़ोस के दुकानदारों ने कॉल के माध्यम से दी। बताया गया है कि अभी इरशाद की शादी नहीं हुई थी। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी नरेंद्र ने बताया कि मृतक के हाथ पर जलने का निशान मिला है। जिससे ऐसा लग रहा है कि बिजली का करंट लगने से मौत हुई है। बाकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही आगे कुछ कहा जा सकता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पानीपतः सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

लोकतंत्र की शान : पानीपत। पानीपत स्थित गांव छाजपुर बाईपास के निकट शनिवार देर शाम हुए एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान गांव कुराड़ निवासी अंकित के रूप में हुई है। वह अपने परिवार का इकलौता सहारा था। परिवार के अनुसार गांव कुराड़ निवासी अंकित शनिवार को किसी काम से सोनीपत के गन्नौर गया था। देर शाम जब वह अपनी बाइक पर वापस लौट रहा था, तो छाजपुर बाइपास स्थित स्टेडियम के पास एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर में अंकित की मौके पर ही मौत हो गई। स्टेडियम में खेल रहे बच्चों ने जब अंकित को देखा, तो उन्होंने उसकी पहचान की और तुरंत परिजनों को सूचित किया। मृतक के ताऊ ने बताया कि अंकित की पत्नी मीनाक्षी नौ माह की गर्भवती है। डॉक्टरों के अनुसार आज या कल में ही उसकी डिलीवरी होनी तय है। घर में नए सदस्य के आगमन की तैयारियां चल रही थी, लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था। अंकित अपने पीछे एक दो साल का बेटा और रोती-बिलखती गर्भवती पत्नी को छोड़ गया है। उन्होंने बताया कि काफी समय पहले सांप के काटने से अंकित के पिता की भी मृत्यु हो चुकी है। सात साल पहले अंकित के बड़े भाई सचिन का भी साया सिर से उठ चुका था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया था। रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली-हलवारा उड़ान 15 मई से शुरू होगी, उद्घाटन फ्लाइट की सिर्फ 40 फीसदी सीटें बुक

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। हलवारा एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए बहुप्रतीक्षित पहली उड़ान 15 मई को सुबह 5:55 बजे रवाना होगी। इसके साथ ही हलवारा एयरपोर्ट आधिकारिक तौर पर संचालन शुरू कर देगा, जिसे क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। हालांकि, शुरुआत में यात्रियों का उत्साह उम्मीद के मुताबिक नजर नहीं आ रहा है। उद्घाटन उड़ान के लिए अब तक केवल लगभग 40 फीसदी सीटों की ही बुकिंग हुई है। इस रूट पर 138 सीटों वाले विमान के संचालन की तैयारी है। अधिकारियों का मानना है कि नए एयरपोर्ट पर लोगों का भरोसा बनने में करीब छह महीने तक का समय लग सकता है। दिल्ली से हलवारा आने वाली पहली उड़ान के साथ-साथ हलवारा से दिल्ली लौटने वाली सुबह की उड़ान में भी यात्रियों की संख्या कम है। वापसी उड़ान में अब तक केवल करीब 35 सीटें ही बुक हुई हैं। आगामी दिनों की फ्लाइट्स में बुकिंग महज 10 से 15 प्रतिशत तक पहुंची है। एयर इंडिया के अधिकारियों का कहना है कि आने वाले कुछ महीनों तक स्थिति पर नजर रखी जाएगी और यात्रियों का भरोसा जीतने की कोशिश की जाएगी। एसोसिएशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रियल अंडरटेकिंग्स के अध्यक्ष पंकज शर्मा ने बताया कि उन्होंने जून में कोलकाता जाने के लिए हलवारा से टिकट बुक करने पर विचार किया था, लेकिन लंबा लेओवर होने के कारण यह विकल्प सुविधाजनक नहीं लगा। कई यात्री अभी भी शताब्दी एक्सप्रेस और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों को अधिक सुविधाजनक और भरोसेमंद मान रहे हैं। जानकारों का कहना है कि हवाई सेवा को लोकप्रिय होने में अभी समय लगेगा।

कोटा में सीजेरियन डिलीवरी के बाद एक और महिला की मौत, जेके लोन अस्पताल में बढ़ा विवाद

लोकतंत्र की शान : कोटा। कोटा मेडिकल कॉलेज और जेके लोन अस्पताल में सीजेरियन डिलीवरी के बाद महिलाओं की तबीयत बिगड़ने के मामलों ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है। न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पहले से चल रहे विवाद के बीच अब जेके लोन अस्पताल में भी एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो अन्य महिलाओं की किडनी फेल होने के मामले सामने आए हैं। बूंदी जिले के सुवांसा गांव निवासी प्रिया (22) पत्नी रोहित महावर को आठ मई को जेके लोन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नौ मई को उसकी सीजेरियन डिलीवरी हुई, लेकिन कुछ घंटों बाद देर रात उसकी हालत बिगड़ गई और शनिवार रात करीब 12:30 बजे उसकी मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि महिला को पहले से हृदय संबंधी समस्या थी।इसी अस्पताल में कोटा निवासी आरती (33) और पिंकी नामक दो अन्य महिलाओं की डिलीवरी के बाद हालत गंभीर हो गई। दोनों महिलाओं की किडनी फेल होने की पुष्टि हुई है और उन्हें सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में भर्ती कराया गया है।आरती के परिजनों ने आरोप लगाया है कि ऑपरेशन के बाद रातभर स्टाफ और डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति पर ध्यान नहीं दिया, जबकि वह दर्द से तड़पती रही और यूरिन बंद हो चुका था। परिजनों के अनुसार बार-बार गुहार लगाने के बावजूद उचित उपचार नहीं मिला और केवल इंजेक्शन देकर मामले को टालने की कोशिश की गई।

उमस भरी गर्मी से बढ़ा बीमारियों का प्रकोप

» चिकित्सकों के पास उमड़ रही मरीजों की भीड़

» वायरल फीवर एवं हाजमा के ज्यादा आ रहे मरीज

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में मौसम का मिजाज बदलने और बूंदाबादी के बाद कई दिनों से उमस भरी गर्मी का भारी प्रकोप बना हुआ है। उमस भरी गर्मी ने लोगों को पूरी तरह से बेहाल कर रखा है। उमस भरी गर्मी से राहत पाने के लिए लोग कूलर का उपयोग भी करने को मजबूर हैं। वर्तमान में ऐसे हालात बने हुए हैं कि यदि थोड़ी सी भी लापरवाही हुई तो सर्द गरम की चपेट में लोग आसानी से आ जाते हैं। इसी के चलते काफी संख्या में लोग वायरल फीवर की चपेट में आकर डॉक्टरों के पास इलाज कराने के लिए पहुंच रहे हैं। वर्तमान में सबसे ज्यादा वायरल फीवर एवं पेट की बीमारियों से पीड़ित होकर लोग उपचार कराने के लिए डॉक्टरों के पास पहुंच रहे हैं। चर्चा के दौरान कुछ डॉक्टरों ने बताया कि वर्तमान में इस तरह का मौसम बना हुआ है कि थोड़ी सी लापरवाही भी लोगों को भारी पड़ सकती है। सर्दी एवं गर्मी का असर भी बना हुआ है। जिसके चलते लोग वायरल फीवर की चपेट में आ रहे हैं। खान-पान को लेकर भी इन दिनों काफी सावधान रहने की जरूरत है। बासी एवं प्रदूषित खाद्य सामग्री का उपयोग करना काफी भारी पड़ सकता है। वर्तमान में बने वातावरण के चलते लोगों को कम मात्रा में भोजन करना चाहिए तथा ताजा भोजन ही उपयोग में लेना चाहिए। बचा हुआ भोजन कुछ घंटे के अंदर ही प्रदूषित हो जाता है और उसका उपयोग करने में फूड प्वाइजनिंग की समस्या बढ़ जाती है। इस तरह की सावधानी बरतने की अपील स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार लोगों से की जा रही है कि वर्तमान में प्रदूषित एवं बासी भोजन का उपयोग कतई न करें। देखा यह जा रहा है कि पेट की बीमारियों से संबंधित जो भी मरीज आ रहे हैं उनमें फूड प्वाइजनिंग के लक्षण ज्यादा पाए जा रहे हैं। फूड प्वाइजनिंग के चलते उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या भी सीधी जिले में बढ़ रही है। इस तरह के मरीज शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से समान रूप से आ रहे हैं। पेट संबंधित तकलीफ होने पर लोगों को जल्द से जल्द अच्छे चिकित्सक के पास जाकर उपचार सुनिश्चित कराना चाहिए। यदि उपचार में ज्यादा बिलम्ब हुआ तो यह जानलेवा भी सावित हो सकता है। इसी वजह से मरीजों को तकलीफ होने पर तत्काल उपचार कराए। उधर मौसमी बीमारियों का कहर बरपने के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित उप स्वास्थ्य केन्द्रों का संचालन मनमानी तौर पर किया जा रहा है। उप स्वास्थ्य केन्द्रों का प्रभार ऐसे कर्मचारियों को मिला हुआ है जो कि स्थानीय निवासी हैं। इस वजह से यह कर्मचारी समय पर न तो उप स्वास्थ्य केन्द्र को खोलते हैं और न ही मरीजों को प्राथमिक उपचार सुविधा उपलब्ध कराते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का हाल भी ज्यादा अच्छा नहीं है। सीधी जिले में कई ऐसे प्राथमिक केन्द्र संचालित हो रहे हैं जिनमें डॉक्टर नहीं मिलते। यह अवश्य है कि ग्रामीण मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में प्राथमिक उपचार सुविधाएं मुहैया हो रही हैं, इसी वजह से इन दिनों सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों की भीड़ बनी हुई है। इसके अलावा जिला अस्पताल सीधी में भी मौसमी बीमारियों की चपेट में आने वाले मरीजों की भीड़ करीब एक पखवाड़े से बनी हुई है।

झोलाछाप डॉक्टरों की हैं चांदी

मौसमी बीमारियों का प्रकोप बरपने से झोलाछाप डॉक्टरों की चांदी सबसे ज्यादा कट रही है। झोलाछाप डॉक्टरों के यहां मरीजों की भीड़ सुबह से लेकर देर शाम तक उमड़ रही है। यह अवश्य है कि अधिकांश झोलाछाप डॉक्टर मरीजों का उपचार करने के साथ ही उनसे ज्यादा से ज्यादा वसूली कर रहे हैं। उनके द्वारा वायरल फीवर से पीड़ित मरीजों की जांच के नाम पर ही हजारों रूपए ऐंठे जा रहे हैं। इसके अलावा वाटल एवं इंजेक्शन लगाने पर भी उनका बिल एक हजार रूपए से ज्यादा का बन जाता है। कुल मिलाकर वर्तमान में मरीजों की संख्या काफी ज्यादा बढऩे से झोलाछाप डॉक्टरों की दुकान मरीजों की भीड़ से पूरी तरह से गुलजार है। झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा मरीजो को अपने यहां भर्ती करने की व्यवस्था भी बनाई गई है जिससे कुछ घंटे भर्ती करके इंजेक्शन एवं वाटल लगाने के बाद लम्बा चौड़ा बिल वसूला जा सके। झोलाछाप डॉक्टरों के गलत उपचार के चलते कुछ मरीजों की हालत सुधरने के वजाय और भी ज्यादा बिगड़ जाती है। जिसके बाद वह अपना उपचार कराने के लिए अन्य स्थानों में भटकने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

मोहन लोधी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनालः अखिल भारतीय लोधा लोधी लोध महासभा द्वारा भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष को लोधी समाज का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया।अपनी इस नियुक्ति को लेकर मोहन लोधी ने महासभा सभी के वरिष्ठ जनों का धन्यवाद करते हुए कहा कि में इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए महासभा के सभी पदाधिकारियों एवं समाज के सम्मानित वरिष्ठजनों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने इस मौके पर लोधी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एटा सदर से विधायक विपिन कुमार का विशेष तौर पर धन्यवाद करते हुए कहा कि आपने जो मुझ पर विश्वास जताकर मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी है उस पर में खरा उतरने का काम करूंगा। इस अवसर पर मोहन लोधी ने समाज के लोगों को भी विश्वास दिलाते हुए कहा कि मैं विश्वास दिलाता हूं कि समाज के हित, संगठन की मजबूती एवं समाज को नई दिशा देने के लिए सदैव समर्पित भाव से कार्य करता रहूंगा। इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता मंत्री बी एल वर्मा,

पूर्व विधायक अनीता लोधी,भारत सिंह,राष्ट्रीय महासचिव सुरेंद्र लोधी, हरी पाल सिंह लोधी, पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव लोधी, एसपी वर्मा जी, आर के लोधी, विनोद लोधी,ईशु लोधी, चंद्र प्रकाश लोधी, सोमपाल, प्रवीन,आशीष लोधी, सोनू लोधी,अंकुश लोधी सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कवियों ने अपने अंदाज में माँ को किया नमन

माँ ममता का रुप है,माँ है सकल

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनालः सांझा साहित्य मंच की ओर से मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन हुडा कार्यालय सेक्टर 12 में हुड्डा वर्कर यूनियन के कार्यालय में आयोजित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कुरुक्षेत्र से पधारे ओमबीर काजल ने की,जबकि मंच संचालन कृष्ण कुमार निर्माण ने किया।मुख्य अतिथि के रूप में अंग्रेज सिंह पहुंचे तथा दलीप खरैरा विशिष्ट अतिथि रहे।विभिन्न सामाजिक,धार्मिक और राजनीतिक घटनाक्रमों पर कविता पाठ किया गया।इस अवसर पर मातृत्व दिवस पर भी रचनाएं प्रस्तुत हुई।शुरूआत में कृष्ण कुमार निर्माण ने दोहों के माध्यम से कहा कि 'माँ ममता का रुप है, माँ है सकल जहान, माँ कल्पवृक्ष की छाया,माँ होती भगवान।' सतविंद्र कुमार राणा बोले 'ठोकर छोटी एक बहुत है,अक्ल ठिकाने आनी हो जब'। प्रवीण जन्नत ने फरमाया 'सकल जगत चमकाते-चमकाते बुझ गया,जिसके जीवन का नूर,प्रभाकर सरिस कोई और नहीं वो तो है किस्मत का मारा मजबूर'। लाभ सिंह आर्य ने पारस की पंक्तियां सुनाते हुए कहा 'मां तू है तो सब कुछ है, मां तेरे आंचल की छांव, जैसे सारा आसमान, तेरी ममता की मीठी बूंद, भर देती है जीवन में जान'। गुरमुख सिंह वड़ैच ने शिव बटालवी की रचना पढ़कर बोले 'जिंदगी के सफर में अकेले थे हम, मिल गए तुम तो दिल को सहारा मिला'। सुदेश कुमारी कुरुक्षेत्र ने प्यारी मां विषय पर कविता सुनाई। दलीप खरैरा करनाल ने कहा कि 'था जब बच्चा एक अबोध, दुनिया थी बस मां की गोद, गोद से उतरा, पहलू में आया, बनी रही आंचल की छाया'। डा. श्याम प्रीत बोले कि 'मां वो है जिसमें समाया सारा संसार, मां वो है, जिससे है हर घर परिवार'। प्रीति सिंह ने फरमाया 'मोहब्बत का मुकदमा कभी मुकम्मल न हुआ'। पानीपत से पहुंचे युवा ग़ज़लकार धर्मेंद्र अरोड़ा मुसाफिर ने कहा 'ईश्वर का वरदान है मां, सकल गुणों की खान है मां'। कैथल से युवा शायर दिलबाग अकेला ने कहा 'इन पत्थरीली राहों में, कुछ हीरे पड़े थे, शरीफ लोगों के सर पर सियासी खड़े थे'। अध्यक्षता कर रहे ओमबीर काजल कुरुक्षेत्र बोले 'बच्चे बूढ़े और जवान, सबका रहे मोबाइल में ध्यान'। नरेश लाभ करनाल ने फरमाया 'मां के शुभ आशीष से बच्चे पाते मान, धरती पर भगवान सम, इनको तू ही जान'। सुषमा चोपड़ा ने कहा 'मां होती है जन्नत, जहां पूरी होती हर मन्नत, देती दुआएं हर पल, सुखी रहें हम आज और कल'। वैभव काजल ने फरमाया 'वक्त बदलता रहता है, हैरान क्यूं हो भाई, खुश रहने के लिए, इतना परेशान क्यूं हो भाई'। गुलाब फक्कर ने कहा 'हम वो जो से सोचकर नहीं रोते, रो भी पड़े तो पूछेगा हाल हमारा'। सुरेंद्र कल्याण ने कहा 'दिल में दर्द है'। उपस्थित कवियों/साहित्यकारों ने नगरपालिका व फायर कर्मियों की हड़ताल का समर्थन किया व सरकार से आग्रह किया कि वार्ता के माध्यम से कोई हल निकाले।साथ ही तमाम साहित्यकारों ने व्यवस्था से अपील की कि देश में साम्प्रादायिक माहौल न बनने दें बल्कि प्रेम,सहनशीलता, मिलवर्तन का माहौल कायम रहे। इस अवसर पर अविराज सिंह, शिवम कृष्ण, समर्पिता कृष्ण व वैभव काजल मौजूद रहे।

बिजली समस्या के चलते शहर की नल जल व्यवस्था बाधित

इंटकवेल के लिए नहीं है विशेष बिजली लाइन

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

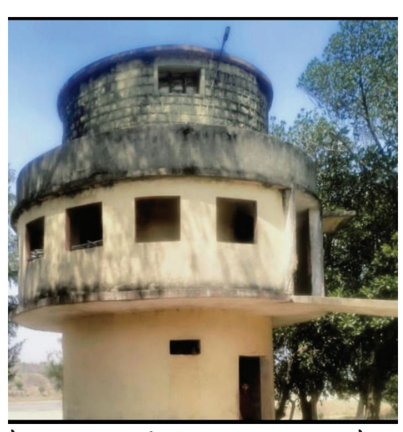

सीधी। विशेष विद्युत लाइन न होने के कारण भीषण गर्मी के दिनों में शहर की नल जल व्यवस्था पटरी से उतरी हुई है। हालात यह है कि 10 दिनों से बाजार क्षेत्र के इलाकों में नलों से पानी नहीं पहुंच पा रहा है। यह सबकुछ इंटकवेल में विद्युत सप्लाई बाधित होने से हो रहा है। इंटकवेल में बिजली की नियमित सप्लाई न होने के कारण यहां लगे पावर पंप के चलने में भारी समस्या बनी हुई है। दरअसल सीधी शहर की नल जल व्यवस्था पूरी तरह से सोन नदी के कुर्रवाह घाट से जुड़ी हुई है। कुर्रवाह घाट में इसके लिए दो इंटकवेल बनाए गए हैं। एक इंटकवेल पुराना है तथा दूसरा नया बनाया गया है। पुराने इंटकवेल के लिए जो विद्युत लाइन पूर्व में गई थी उससे विद्युत मंडल द्वारा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत कनेक्शन देने के कारण अब लाइन में फाल्ट की समस्या अक्सर बनी रहती है। वहीं नए इंटकवेल के लिए भी अलग विद्युत कनेक्शन है। इसमें भी विद्युत आपूर्ति नियमित न होने के कारण पावर पंप नहीं चल पा रहे हैं। इंटकवेल में विद्युत सप्लाई बंद हो जाने के कारण कुर्रवाह से मधुरी में बनाए गए फिल्टर प्लांट तक पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। इसी वजह से शहर में नल जल आपूर्ति बाधित हो रही है। नगर पालिका के जल शाखा का कहना है कि कुर्रवाह इंटकवेल में बिजली की सप्लाई जब तक नियमित नहीं रहेगी शहर की नल जल व्यवस्था प्रभावित रहेगी। यह समस्या तभी स्थाई रूप से दूर हो सकती है जब इंटकवेल के लिए विशेष विद्युत लाइन बनाई जाए। उक्त विद्युत लाइन से अन्य कनेक्शन न दिए जाएं तथा इस विद्युत लाइन की विद्युत सप्लाई 24 घंटे विशेष व्यवस्था के तहत चालू रहे। यदि विद्युत सप्लाई की व्यवस्था अनियमित रहेगी तो इसका सीधा असर शहर के नल जल व्यवस्था पर पडऩा लाजिमी है। आज भी पावर ट्रांसफार्मर लगाने के लिए विद्युत मंडल द्वारा सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद करने के लिए परमिट ली गई थी। इसी वजह से कुर्रवाह इंटकवेल की विद्युत सप्लाई भी दिन भर ठप रही। ऐसे में सोमवार को शहर की नल जल व्यवस्था पूरी तरह से ठप्प रहेगी। पुराने इंटकवेल की बिजली सप्लाई बंद होने से शहर के कोटहा, आजाद नगर, पुराना बस स्टैंड क्षेत्र, संजीवनी पालिका बाजार क्षेत्र, सराफा बाजार क्षेत्र, गांधी चौक एवं स्टेडियम के पीछे तक के इलाकों में नल जल व्यवस्था पूरी तरह से ठप्प हो जाती है। शहर में नल जल व्यवस्था के लिए चार पानी की टंकी स्थापित हैं। सभी टंकियों में मधुरी फिल्टर प्लांट से पानी की सप्लाई होती है। यदि फिल्टर प्लांट में ही कुर्रवाह इंटकवेल से पानी नहीं पहुंचेगा तो टंकियों में भी पानी नहीं जाएगा।

इनका कहना है। शहर की नल-जल व्यवस्था बाधित होने का मुख्य कारण सोन नदी के कुर्रवाह तट में लगे इंटकवेल में विद्युत की सप्लाई का बाधित होना है। बिजली की समस्या अक्सर बनी रहती है, उनके द्वारा नगर पालिका प्रभार लेने के बाद इंटकवेल का निरीक्षण किया गया था उस दौरान यह जानकारी सामने आने पर फायर स्टेशन के निर्माण को कार्य योजना में इंक्लूड किया गया है। यह कार्य टेण्डर आमंत्रण के बाद ही होगा, जिसमें अभी समय लगेगा। एमपीईबी से स्पेशल विद्युत लाइन इंटकवेल तक देने के लिये बात हुई है। प्रिया पाठक, डिप्टी कलेक्टर प्रभारी सीएमओ नपा सीधी।

एक किलो से अधिक मादक पदार्थ गांजा के साथ आरोपी गिरफतार

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी मझौली के मार्गदर्शन में थाना मझौली पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गांजा सहित गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा ग्राम तिलवारी के पास घेराबंदी कर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम रामनिहोर पनिका पिता शिवकरण पनिका उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम रूपईडोल थाना मझौली जिला सीधी बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक झोले में रखे 01 किलो 300 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती लगभग 13,000 रुपये बरामद किया गया। आरोपी से गांजा रखने एवं परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज मांगने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध धारा 8/20(ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा मामले की विवेचना की जा रही है। कार्यवाही में शामिल अधिकारी/कर्मचारी थाना प्रभारी मझौली उप निरीक्षक विशाल शर्मा, आरक्षक जितेन्द्र सिंह, आरक्षक आशुतोष मिश्रा, आरक्षक अक्षय तिवारी एवं चालक आरक्षक अलताज मंसूरी की सराहनीय भूमिका रही।

अखिलेश राज में 'कटियाबाजों' को मिला संरक्षण : एके शर्मा

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। प्रदेश भर में अज्ञात लोगों द्वारा समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को 'कटियाबाज' बताते हुए लगाए गए पोस्टरों के बीच अब योगी सरकार के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने भी सपा पर तीखा हमला बोला है। सपा राज में बिजली व्यवस्था को लेकर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सपा सरकार ने प्रदेश के बिजली तंत्र को पूरी तरह बर्बाद करने का काम किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा शासन में नेताओं, गुंडों और माफियाओं को 'कटिया मारकर बिजली चलाने' का खुला लाइसेंस दे दिया गया था। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल में प्रदेश के पूरे बिजली ईको सिस्टम में 'बबूल' बोने का काम किया।

'कटियाबाजी' को सपा सरकार में मिला संरक्षण-ऊर्जा मंत्री ने सबसे बड़ा हमला बिजली चोरी को लेकर बोला। उन्होंने कहा कि सपा शासन में नेताओं और उनके करीबी लोगों को कटियाबाजी कर मुफ्त बिजली बांटने की खुली छूट थी। 'हर जगह इनके गुंडे और माफिया बिजली के वितरक बन गए थे। खुद कटियाबाजी करते थे और दूसरों को भी कटियाबाजी करवाते थे।' उन्होंने दावा किया कि संभल और मथुरा समेत कई जिलों में सुनियोजित ढंग से बिजली चोरी कराई जाती थी, लेकिन योगी सरकार ने ऐसे कटियाबाजों पर कड़ी कार्रवाई कर लगाम लगाने का काम किया।

जर्जर तार और खराब ट्रांसफॉर्मर थे सपा की देन-ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सपा सरकार के समय लगाए गए ट्रांसफॉर्मर, तार और खंभे बेहद खराब गुणवत्ता के थे, जो आए दिन फुंक जाते थे। आज भी प्रदेश जिन खराब तारों और जर्जर खंभों की समस्या से जूझ रहा है, वह सपा सरकार की ही देन है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने पिछले वर्षों में बिजली व्यवस्था में बड़े सुधार किए हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को बेहतर बिजली ढांचा देने का काम लगातार जारी है।

योगी सरकार ने तकनीक से सुधारी व्यवस्था-उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने इन भ्रष्ट व्यवस्थाओं को सुधारने का बीड़ा उठाया है। तकनीकी सुधारों और डिजिटल सिस्टम के जरिए मानवीय हस्तक्षेप कम किया गया ताकि भ्रष्टाचार पर रोक लग सके और जनता को राहत मिले।

महंगी बिजली खरीद के समझौतों पर हमला-एके शर्मा ने आरोप लगाया कि सपा सरकार ने बिजली खरीद में भी घोटाले किए। उन्होंने कहा कि आज सरकार जिस दर पर बिजली खरीद रही है, उससे भी ज्यादा महंगी दरों पर सपा सरकार ने बिजली खरीद के करार किए थे। इसका खामियाजा आज भी प्रदेश की जनता भुगत रही है और आने वाले वर्षों तक लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

अंतरराज्यीय उठाईगीर गिरोह का सदस्य गिरफ्तार ढाई लाख से अधिक की मांग करने का हुआ खुलासा

» कोतवाली पुलिस ने 50 सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल के बाद की कार्रवाई

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक अमन मिश्रा के प्रभावी मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस ने जन-सुरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए एक बड़ी अंतर्राज्यीय सफलता अर्जित की है। करीब तीन माह पूर्व शहर के व्यस्ततम इलाके में दिन-दहाड़े हुई 2 लाख 60 हजार की सनसनीखेज उठाईगिरी, जो पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी, उसका न केवल सफल खुलासा किया गया है बल्कि अंतर्राज्यीय सीमा पार कर छत्तीसगढ़ के पत्थलगांव से मुख्य सरगना को दबोचकर सीधी पुलिस ने अपनी कार्यकुशलता का लोहा मनवाया है। पुलिस के अनुसार 4 फरवरी 2026 को अज्ञात बदमाशों ने सुनियोजित तरीके से बैंक से रेकी कर पीड़ित की स्कूटी की डिग्गी से नकदी और दस्तावेजों से भरा बैग पार कर दिया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल गठित किया गया। पुलिस टीम ने वैज्ञानिक पद्धति का अनुसरण करते हुए शहर के प्रवेश और निकास द्वारों सहित संवेदनशील मार्गों पर लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का गहनता से सूक्ष्म विश्लेषण किया। हफ्तों की मेहनत और सैकड़ों घंटों की रिकॉर्डिंग खंगालने के बाद पुलिस को संदिग्धों के हुलिए और वारदात में प्रयुक्त वाहन के महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे। डिजिटल फुटप्रिंट्स और मुखबिर तंत्र के सक्रिय सहयोग से पुलिस ने अपराधियों के भागने के मार्ग का अनुसरण किया। तकनीकी दक्षता के मदद से जब आरोपी की सटीक लोकेशन छत्तीसगढ़ में प्राप्त हुई, तो पुलिस टीम ने तत्काल बिना समय गंवाए वहां दबिश दी। स्थानीय परिस्थितियों और भौगोलिक चुनौतियों का सामना करते हुए पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर शातिर आरोपी शिवम कुमार नट को हिरासत में लिया। सघन पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह बैंक के बाहर खड़े होकर मोटी रकम निकालने वाले ग्राहकों की रेकी करता है और मौका मिलते ही औजारों से डिग्गी का लॉक खोलकर वारदात को अंजाम देता है।

आरोपी की निशानदेही पर 1 लाख नकद बरामद

आरोपी की स्वीकारोक्ति के बाद, उसकी निशानदेही पर सीधी पुलिस ने ब्यौहारी पुलिस के साथ उत्कृष्ट समन्वय स्थापित किया। संयुक्त टीम ने सह आरोपी अरुण कंजर उर्फ लेदहा कंजर के ठिकाने पर छापेमारी कर चोरी की राशि में से 1 लाख नगद सफलतापूर्वक बरामद किए। साथ ही वारदात में प्रयुक्त होंडा यूनिकॉर्न मोटरसाइकिल कीमती लगभग 1 लाख जिसका उपयोग अपराधी राज्यों की सीमाएं लांघने में करते थे, उसे भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। इस संपूर्ण जटिल और साहसिक कार्यवाही को अंजाम देने में थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय, उप निरीक्षक विवेक द्विवेदी, प्रधान आरक्षक तिलक राज सिंह एवं आरक्षक सुरेंद्र बैस की रणनीतिक सूझबूझ और कर्तव्यनिष्ठा सराहनीय रही। इस शानदार सफलता पर पुलिस अधीक्षक ने पूरी टीम के उत्साहवर्धन हेतु प्रशंसा व्यक्त की है।

संक्षिप्त समाचार

किम जोंग की हत्या हुई तो नॉर्थ-कोरिया न्यूक्लियर अटैक करेगा, संविधान में नया प्रावधान जोड़ा

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने अपने संविधान और परमाणु नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है। अब अगर देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग-उन की हत्या हो जाती है या किसी विदेशी हमले के दौरान वे लीडरशिप करने की हालात में नहीं रहते, तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बदलाव मार्च में तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद किया गया। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और कई सीनियर ईरानी अधिकारियों की मौत हो गई थी। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों ने प्योंगयांग को सोचने पर मजबूर कर दिया और उत्तर कोरिया को डर सताने लगा कि भविष्य में ऐसा 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' यानी टॉप लीडरशिप को खत्म करने वाला हमला उसके खिलाफ भी हो सकता है। यह नया प्रावधान 22 मार्च को प्योंगयांग में शुरू हुए 15वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के पहले सत्र के दौरान अपनाया गया। बाद में दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने सीनियर सरकारी अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी दी। डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान पर हुए हमलों ने उत्तर कोरिया की लीडरशिप को झकझोर दिया। हमलों की तेजी और सटीकता देखकर प्योंगयांग को लगा कि विदेशी शक्तियां किम जोंग-उन और उत्तर कोरियाई मिलिट्री लीडरशिप के खिलाफ भी इसी तरह का ऑपरेशन कर सकती हैं। सियोल स्थित कूकमिन यूनिवर्सिटी में इतिहास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर आंद्रेई लांकोव ने मीडिया से कहा कि ईरान पर हुआ ऑपरेशन उत्तर कोरिया के लिए एक बड़ा चेतावनी संकेत बन गया। लांकोव ने कहा कि ईरान एक वेक-अप कॉल था। उत्तर कोरिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल के डिकैपिटेशन हमले कितने प्रभावी थे, जिन्होंने तुरंत ईरानी लीडरशिप के बड़े हिस्से को खत्म कर दिया। अब उत्तर कोरिया बेहद डरा हुआ होगा।

ईरान की चेतावनी- यूएस ठिकाने और जहाज निशाने पर, अमेरिका को 14-पॉइंट के प्रस्ताव पर जवाब का इंतजार

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी IRGC ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। IRGC के नौसेना कमांड ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अगर फारस की खाड़ी या होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों पर फिर हमला हुआ, तो अमेरिकी ठिकानों और सैन्य जहाजों पर भारी हमला किया जाएगा। इसके बाद IRGC की एयरोस्पेस फोर्स ने अलग पोस्ट में दावा किया कि हमारी मिसाइलें और ड्रोन पहले ही अमेरिकी ठिकानों और दुश्मन जहाजों पर लॉक हो चुके हैं और अब सिर्फ हमला करने के आदेश का इंतजार है। वहीं, वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने 14 पॉइंट वाला ड्राफ्ट तैयार किया है, जिस पर ईरान के जवाब का इंतजार है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने पहले पत्रकारों से बाद करते हुए कहा था कि शनिवार सुबह (भारतीय समयानुसार) तक जवाब मिलने की उम्मीद है। हालांकि, ईरान का जवाब अब तक नहीं आया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा है कि अमेरिकी प्रस्ताव अभी समीक्षा के दौर में है और सही समय पर इसका जवाब दिया जाएगा। हम अमेरिका की समय सीमा नहीं मानते। ईरान अपना काम अपने तरीके से करेगा। अमेरिका-ईरान में फिर बातचीत की तैयारीः अगले हफ्ते इस्लामाबाद में दोनों देशों के बीच नई वार्ता हो सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने 14 पॉइंट वाला ड्राफ्ट दिया है। होर्मुज स्ट्रेट पर तनाव बरकरारः ईरान ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने फिर दखल दिया तो जंग दोबारा शुरू हो सकती है। वहीं अमेरिका ने दावा किया कि उसने 70 से ज्यादा जहाजों को ईरानी बंदरगाहों तक पहुंचने से रोका।

भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 31 मई को

नई दिल्ली। भारत और अफ्रीकी संघ आयोग के सहयोग से 31 मई को नई दिल्ली में चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन होगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच पारस्परिक संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य के सहयोग की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। 'आईए स्पिरिटः नवाचार, लचीलापन और समावेशी परिवर्तन के लिए भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझीदारी' के मुख्य विषय के साथ होने वाले इस सम्मेलन में अफ्रीकी महाद्वीप के शीर्ष नेता और क्षेत्रीय संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे, जिसका उद्देश्य भारत की विकास यात्रा को अफ्रीका के 'एजेंडा 2063' के साथ जोड़ना है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बीते 23 अप्रैल को इस शिखर सम्मेलन के आधिकारिक प्रतीक चिह्न (लोगो), वेबसाइट और थीम का अनावरण किया था, जो इस दीर्घकालिक साझीदारी के बहुआयामी स्वरूप को प्रदर्शित करता है। मुख्य शिखर सम्मेलन से पूर्व कूटनीतिक स्तर पर बैठकों का दौर शुरू होगा, जिसके तहत 28 मई को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक और 29 मई को भारत-अफ्रीका विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की जाएगी ताकि सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की जा सके। यह शिखर सम्मेलन वर्ष 2008 में नई दिल्ली से शुरू हुई उस ऐतिहासिक यात्रा का अगला चरण है, जिसने दिल्ली घोषणापत्र और रणनीतिक सहयोग के माध्यम से विकासशील देशों के बीच दक्षिण-दक्षिण सहयोग की एक नई मिसाल पेश की है। सरकारी वार्ताओं के साथ-साथ इस बार सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को नई ऊर्जा देने के लिए भारत-अफ्रीका संगीत एवं नृत्य महोत्सव, बिजनेस डायलॉग, प्रदर्शनी और ट्रैक-2 संवाद जैसे विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच जन-भागीदारी और साझा समृद्धि के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाएंगे।

दिल्ली-हलवारा उड़ान 15 मई से शुरू होगी

चंडीगढ़। हलवारा एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए बहुप्रतीक्षित पहली उड़ान 15 मई को सुबह 5:55 बजे रवाना होगी। इसके साथ ही हलवारा एयरपोर्ट आधिकारिक तौर पर संचालन शुरू कर देगा, जिसे क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। हालांकि, शुरुआत में यात्रियों का उत्साह उम्मीद के मुताबिक नजर नहीं आ रहा है। उद्घाटन उड़ान के लिए अब तक केवल लगभग 40 फीसदी सीटों की ही बुकिंग हुई है। इस रूट पर 138 सीटों वाले विमान के संचालन की तैयारी है। अधिकारियों का मानना है कि नए एयरपोर्ट पर लोगों का भरोसा बनने में करीब छह महीने तक का समय लग सकता है। दिल्ली से हलवारा आने वाली पहली उड़ान के साथ-साथ हलवारा से दिल्ली लौटने वाली सुबह की उड़ान में भी यात्रियों की संख्या कम है। वापसी उड़ान में अब तक केवल करीब 35 सीटें ही बुक हुई हैं। आगामी दिनों की फ्लाइट्स में बुकिंग महज 10 से 15 प्रतिशत तक पहुंची है। एयर इंडिया के अधिकारियों का कहना है कि आने वाले कुछ महीनों तक स्थिति पर नजर रखी जाएगी और यात्रियों का भरोसा जीतने की कोशिश की जाएगी। एसोसिएशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रियल अंडरटेकिंग्स के अध्यक्ष पंकज शर्मा ने बताया कि उन्होंने जून में कोलकाता जाने के लिए हलवारा से टिकट बुक करने पर विचार किया था, लेकिन लंबा लेओवर होने के कारण यह विकल्प सुविधाजनक नहीं लगा। कई यात्री अभी भी शताब्दी एक्सप्रेस और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों को अधिक सुविधाजनक और भरोसेमंद मान रहे हैं। जानकारों का कहना है कि हवाई सेवा को लोकप्रिय होने में अभी समय लगेगा।

सांसद सुप्रिया सुले की कार को मुंबई-पुणे हाइवे पर दूसरी गाड़ी ने मारी टक्कर, बाल-बाल बचीं

मुंबई। एनसीपी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले शनिवार देररात सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचीं। मुंबई-पुणे हाइवे पर उनकी कर को पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार को मामूली नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि सुप्रिया की कार में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। सांसद सुप्रिया ने बताया कि वह पुणे से मुंबई जा रही थीं। पीछे से आ रहे वाहन क्रमांक (जीजे 13 सीएफ 5257) ने उनकी कार को किनारे से जोरदार टक्कर मार दी। सौभाग्य से इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई और सभी लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना लोगों की जान को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने नागरिकों से सीट बेल्ट का उपयोग करने, सावधानी बरतने और जिम्मेदारी से वाहन चलाने की अपील की है। सुप्रिया बारामती से लोकसभा सदस्य हैं।

केरलम में सीएम पर सस्पेंस, कांग्रेस ने दावेदारों के पोस्टर हटवाए

दावा– विधायकों का वेणुगोपाल को समर्थन, असम में हिमंता की शपथ मंगलवार को

एजेंसी, गुवाहाटी

4 मई को 5 राज्यों के चुनावों के रिजल्ट आने के बाद बंगाल और तमिलनाडु में नए सीएम की शपथ हो चुकी है। पुडुचेरी और असम में सीएम का नाम और शपथ की तारीख तय हो गई है, लेकिन 6 दिन बाद भी केरलम में पूर्ण बहुमत पाने वाले कांग्रेस के गठबंधन ने अपने सीएम के नाम का ऐलान नहीं किया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, पिछले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन और 6 बार के विधायक रमेश चेन्निथला यहां मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। 7 मई को कांग्रेस ने मुकुल वासनिक और अजय माकन को पर्यवेक्षक बनाकर केरलम भेजा था। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि हमने सभी विधायकों से बात कर ली है। दावा किया जा रहा है कि आलाकमान को सौंपी गई इस रिपोर्ट में विधायकों ने के.सी. वेणुगोपाल के नाम पर मुहर लगाई है।

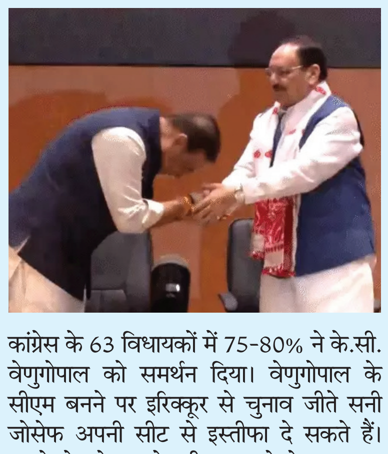

दावा- वेणुगोपाल को सबसे ज्यादा विधयाकों का समर्थनः रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस के 63 विधायकों में 75-80% ने के.सी. वेणुगोपाल को समर्थन दिया। वेणुगोपाल के सीएम बनने पर इरिक्कूर से चुनाव जीते सनी जोसेफ अपनी सीट से इस्तीफा दे सकते हैं। इससे वेणुगोपाल के सीएम बनने के बाद इस सीट से चुनाव लड़कर विधायक का चुनाव लड़ेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक में वीडी सतीशन को महज 6 विधायकों का समर्थन मिला। हालांकि, बैठक के बाद तीन पूर्व प्रदेश अध्यक्षों ने सतीशन के नाम का समर्थन किया है। इसके अलावा UDF के सहयोगी दल IUML और केरलम कांग्रेस (जोसेफ) ने खुले तौर पर सतीशन को समर्थन दिया है।

असम में हिमंता की शपथ में शामिल होंगे पीएम मोदीः रविवार को असम में बीजेपी की विधायक दल की बैठक हुई, इसमें हिमंता बिस्वा सरमा को फिर विधायक दल का नेता चुना गया। हिमंता 12 मई को सुबह 11 बजे लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वहीं पुडुचेरी में एन. रामास्वामी 13 मई को शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और एनडीए (NDA) के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होंगे। हिमंता की ताजपोशी उत्तर-पूर्व में पार्टी की पैठ को और मजबूत करने के रूप में देखी जा रही है। असम बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा- हम दोपहर तक सरकार बनाने के अपने दावे के बारे में राज्यपाल को सूचित कर देंगे। 12 तारीख को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां चल रही हैं। यह एक ऐतिहासिक पल होगा, क्योंकि पीएम मोदी की उपस्थिति में हिमंता 102 विधायकों के साथ शपथ लेंगे।

कश्मीर में गोल्फ पर्यटन को दिया जाएगा बढ़ावाः मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

एजेंसी, श्रीनगर

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि सरकार कश्मीर को एक प्रमुख गोल्फिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर के आयोजन करेगी। घाटी के गोल्फ कोर्स देश के सर्वश्रेष्ठ गोल्फ कोर्सों में शुमार हैं। मुख्यमंत्री ने रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में इंडिया गोल्फ कार्निवल 2026 का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से चर्चा में यह बात कही।

मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि कश्मीर का गोल्फ से एक लंबा और ऐतिहासिक संबंध है और यहां विश्व स्तरीय गोल्फिंग बुनियादी ढांचा मौजूद है। उन्होंने कहा, "गोल्फ के साथ कश्मीर का बहुत पुराना रिश्ता है। अगर आप देश के सबसे खूबसूरत गोल्फ कोर्सों को देखें तो श्रीनगर, गुलमर्ग और पहलगाम के कश्मीरी कोर्स आसानी से उनमें गिने जा सकते हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्थानीय गोल्फ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और साथ ही जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इस खेल का उपयोग कर रही है।

उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट कश्मीर में गोल्फ को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम है। हम अपने स्थानीय गोल्फ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना चाहते हैं और साथ ही युवा खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। उमर ने कहा कि टूर्नामेंट में देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभागियों सहित 100 से अधिक गोल्फ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के बाहर के गोल्फ खिलाड़ी लंबे सप्ताहांतों के दौरान विशेष रूप से गोल्फ खेलने के लिए श्रीनगर आने लगे हैं और उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस तरह की खेल गतिविधियां पर्यटन क्षेत्र को और मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में जब भी लंबा सप्ताहांत होता है कई गोल्फ खिलाड़ी अब केवल गोल्फ खेलने के लिए श्रीनगर आते हैं। हमें उम्मीद है कि इससे पर्यटन को निश्चित रूप से लाभ होगा।

बेंगलुरु में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से तीन किमी दूर मिला विस्फोटक

एजेंसी, बेंगलुरु

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बेंगलुरु दौरे के दौरान शहर में जिलेटिन की छड़ें मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने जिलेटिन की छड़ों को सावधानीपूर्वक हटाया गया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

बताया गया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से डेढ़ घंटे पहले आसपास सुरक्षा चेकिंग के दौरान कग्गलीपुर के ततगुनी के पास स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर आश्रम के बाहरी हिस्से में यानी कार्यक्रम स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर एनआईसीई रोड जंक्शन से लगभग एक किलोमीटर दूर सड़क से करीब 20 से 25 फीट अंदर एक संदिग्ध पैकेट मिला। उसने इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर ली गई। जांच करने पर उसमें दो जिलेटिन की छड़ें पाई गईं। जांच पड़ताल के बाद सावधानीपूर्वक जिलेटिन कीछड़ों को वहां से हटाया गया। इस मामले

कार्यक्रम स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर एनआईसीई रोड जंक्शन से लगभग एक किलोमीटर दूर सड़क से करीब 20 से 25 फीट अंदर एक संदिग्ध पैकेट मिला

की जांच बेंगलुरु सिटी पुलिस और रामनगर पुलिस संयुक्त रूप कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये विस्फोटक सामग्री वहां कैसे पहुंची और किसने उसे वहां रखा।

इस संबंध में केंद्रीय क्षेत्र के डीआईजी गिरीश ने मीडिया को बताया कि मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है और सभी पहलुओं से विस्तृत जांच जारी है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को बेंगलुरु दौरे पर थे। उन्होंने यहां श्री श्री रविशंकर के आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था।

आईएसआई से जुड़े एमपी के 3 युवक गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस का खुलासा- मंदिर, ढाबा और मिलिट्री कैंप उड़ाने वाले थे

एजेंसी, भोपाल

दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI से जुड़े होने का दावा करते हुए एमपी के तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि ये लोग दिल्ली का ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत हाईवे स्थित एक ढाबा और हरियाणा का सैन्य कैंप उड़ाने वाले थे। इनकी पहचान टीकमगढ़, नेगुवां (पृथ्वीपुर थाना) निवासी अनमोल राय (24), ग्वालियर, डबरा निवासी राजवीर (21) और विवेक बंजारा (19) के रूप में की गई है। तीनों को दिल्ली पुलिस ने उनके गांव से गिरफ्तार किया और अपने साथ ले गई।

आरोपियों के फोन से कई संदिग्ध ई-मेल मिलेः एसीपी स्पेशल सेल दिल्ली पीएस कुशवाहा के मुताबिक, तीनों ही आरोपी गरीब परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। तीनों के मोबाइल के ऑडियो, वीडियो कॉल से संदिग्ध नंबरों पर बात किए जाने, सोशल मीडिया से खास

स्थानों के तस्वीरें पाकिस्तान भेजे जाने की पुष्टि हुई है।

आरोपियों के मोबाइल से कई संदिग्ध ई-मेल भी मिले हैं। पुलिस यह पता लगा रही है कि आरोपियों को आतंकी साजिश में जोड़ने के एवज में क्या मिला था। तीनों की गिरफ्तारी शुक्रवार को हुई। तीनों दिल्ली में मजदूरी कर चुके हैं।

गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0 में खुलासाः दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 'गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0' के तहत विभिन्न राज्यों से शाहजाद भट्टी मॉड्यूल से जुड़े 9 संदिग्ध ऑपरेटिव्स को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में जांच एजेंसियों को पता चला कि आरोपियों में से एक ने दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर की रेकी की थी। परिसर की तस्वीरें सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स को भेजी थीं। मॉड्यूल की योजना मंदिर में तैनात पुलिस और अर्धसैनिक बलों को निशाना बनाने तथा फायरिंग कर दहशत फैलाने की थी।

पाकिस्तान भेजी तस्वीरें

ढाबे पर ग्रेनेड से हमला करने का था टास्कः आरोपियों को दिल्ली-सोनीपत हाईवे पर स्थित एक प्रसिद्ध ढाबे पर ग्रेनेड से हमला करने का भी टास्क दिया गया था। यह ढाबा प्रतिदिन हजारों लोगों की आवाजाही वाला स्थान माना जाता है। जांच एजेंसियों का मानना है कि हमले का मकसद बड़े पैमाने पर नुकसान और जनहानि करना था।

सैन्य कैंप और आसपास के वीडियो बनाएः इसके अलावा हरियाणा के हिसार स्थित एक सैन्य कैंप की भी रेकी किए जाने की बात सामने आई है। आरोपियों ने कैंप और आसपास के इलाके के वीडियो बनाकर पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स को भेजे थे। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के कुछ थाने भी मॉड्यूल के निशाने पर थे। स्पेशल सेल अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर मॉड्यूल के अन्य नेटवर्क, फंडिंग और सीमा पार संपर्कों की जांच कर रही है।

योगी मंत्रिमण्डल का विस्तार, छह नये चेहरे शामिल भूपेन्द्र चौधरी व मनोज पांडेय बने कैबिनेट मंत्री

छह नए चेहरों में से दो कैबिनेट और चार को बनाया राज्य मंत्री - दो राज्य मंत्रियों को स्वतंत्र प्रभार के रूप में मिला प्रमोशन

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार के मंत्रिमण्डल विस्तार में छह नये चेहरों को शामिल किया गया है। इनमें चार को राज्यमंत्री और दो को कैबिनेट स्तर का मंत्री बनाया गया है। वहीं योगी सरकार के दो राज्य मंत्रियों का प्रमोशन किया गया है। प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने रविवार को जन भवन के गांधी सभागार में इन मंत्रियों को शपथ दिलायी। मंत्रिमंडल में जिन नए चेहरों कोजगह मिली है उनमें भूपेन्द्र चौधरी, मनोज पांडेय, कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान, सुरेन्द्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा शामिल हैं। योगी सरकार के जिन दो राज्य मंत्रियों का प्रमोशन हुआ है उनमें राज्य मंत्री सोमेन्द्र तोमर और राज्य मंत्री अजीत सिंह पाल को

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। राज्य के भूपेन्द्र चौधरी और मनोज पांडे को कैबिनेट मंत्री और कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान, सुरेन्द्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा कोराज्य मंत्री बनाया गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य मौजूद रहे।

मंत्रिमण्डल विस्तार में यूपी भाजपा के पूर्व अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और रायबरेली जिले से मनोज पांडेय को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। प्रमोशन पाने वाले राज्य मंत्रियों में अजीत सिंह पाल और सोमेन्द्र तोमर ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। कृष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेन्द्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा ने राज्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की।

भाजपा उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद क्षेत्र से आते हैं। विधान परिषद सदस्य हैं और योगी सरकार के पहले कार्यकाल में पंचायतीराज मंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। ऐसे में भूपेंद्र चौधरी को पार्टी ने तोहफा दिया है। मनोज पांडेय रायबरेली जिले की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। वह सपा में बड़े ब्राह्मण चेहरे के रूप में सक्रिय रहे हैं। अखिलेश यादव सरकार में मंत्री रह चुके हैं लेकिन वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने सपा से दूरी बनाते हुए भाजपा को समर्थन दिया। मनोज पांडेय को कैबिनेट में शामिल कर भाजपा ब्राह्मण मतदाताओं के बीच अपना संदेश दिया है।

गुरुग्रामः एल्विश यादव से लॉरेंस गैंग ने मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

एजेंसी, गुरुग्राम

यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर उनसे 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। धमकी विदेशी नंबर से व्हाट्सएप मैसेज के जरिए दी गई। मैसेज भेजने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी रणदीप मलिक बताया है। रविवार को मामले की शिकायत मिलने के बाद गुरुग्राम के सेक्टर-56 थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कि धमकी के मैसेज कहां से भेजे गए। जानकारी के अनुसार, एल्विश यादव इन दिनों एक शो की शूटिंग के सिलसिले में गुरुग्राम से बाहर हैं। उनका इन दिनों कल्र्स चैनल पर लाफ्टर शैफ शो चल रहा है। इसके अलावा वह अन्य चैनलों की शूटिंग भी कर रहे हैं। परिवार के सदस्यों ने बताया कि धमकी देने वाले ने दो

दिन के भीतर रकम नहीं देने पर गोली मारने की चेतावनी दी है। पुलिस अब नंबर की लोकेशन और कॉल डिटेल्स खंगालने में जुटी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, 5 मई को एल्विश यादव के मोबाइल पर एक विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई थी, लेकिन वह कॉल रिसीव नहीं कर पाए। इसके कुछ देर बाद उसी नंबर से एक मैसेज भेजा गया। मामले पर एल्विश यादव के पिता रामअवतार यादव ने कहा कि उनका बेटा मेहनत के दम पर इस मुकाम तक पहुंचा है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट' को लेकर पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखा

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना को लेकर केंद्र सरकार पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि परियोजना को दी गई पर्यावरणीय मंजूरी अधूरी और अपर्याप्त पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) रिपोर्टों के आधार पर प्रदान की गई है। जयराम रमेश का कहना है कि सरकार द्वारा जारी 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एफएक्यू' में किए गए कई दावे मंत्रालय के आधिकारिक दस्तावेजों और उपलब्ध अध्ययनों से मेल नहीं खाते। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना पत्र साझा करते हुए कहा कि सरकार ने 01 मई को जारी एफएक्यू में दावा किया था कि परियोजना के संभावित पर्यावरणीय

प्रभावों की व्यापक पहचान, मूल्यांकन और प्रबंधन मजबूत पर्यावरण प्रभाव आकलन प्रक्रिया तथा विस्तृत पर्यावरण प्रबंधन योजना के माध्यम से किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वह इस विषय पर पहले भी 03 मई को विस्तृत प्रतिक्रिया दे चुके हैं, लेकिन अब कुछ अतिरिक्त तथ्यों और तकनीकी बिंदुओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। रमेश ने अपने पत्र में कहा कि कानून के अनुसार अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बंदरगाह परियोजनाओं के लिए व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन अध्ययन अनिवार्य है।

पांच सौ वर्ष पुरानी सांस्कृतिक विरासत का डिजिटल संरक्षण- पेंड्रा में मिलीं दुर्लभ पांडुलिपियां

एजेंसी, रायपुर

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित "ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान" के तहत छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। पेंड्रा नगर की पुरानी बस्ती में सदियों पुरानी दुर्लभ पांडुलिपियों और दस्तावेजों को खोज निकाला गया है, जिन्हें अब डिजिटल माध्यम से भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया है। दो प्रमुख स्थानों से अमूल्य धरोहरें प्राप्त- सर्वेक्षण दल को पेंड्रा के वार्ड क्रमांक 4 में दो प्रमुख स्थानों से अमूल्य धरोहरें प्राप्त हुई हैं। 500 वर्ष पुरानी अथ श्रीमद्भागवत गीता पंडित मोहन दत्त शर्मा के निवास से हस्तलिखित गीता सहित कई धार्मिक ग्रंथ मिले। यह पांडुलिपियां आकर्षण का केंद्र रहीं, जिन पर कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने श्रद्धापूर्वक मत्था टेका।

सर्वेक्षण के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह के निवास से लगभग 200 वर्ष पुरानी हस्तलिखित जमींदारी वंशावली तथा पेंड्रागढ़ क्षेत्र के राजस्व एवं वन विभाग से संबंधित ऐतिहासिक नक्शे भी प्राप्त हुए। इन दस्तावेजों को भी डिजिटल तकनीक के माध्यम से संरक्षित किया गया। कलेक्टर ने राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी शिखा सिंह से पारिवारिक इतिहास, जमींदारी परंपरा और ऐतिहासिक धरोहरों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि ऐसे दस्तावेज स्थानीय इतिहास और प्रशासनिक संरचना को समझने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

धार्मिक एवं शास्त्रीय ज्ञान की अनमोल पांडुलिपियां- प्राप्त पांडुलिपियों में लग्न चन्द्रिका, इतिचंद्रिकाआख्यातप्रारम्भः, अथश्रीभागवतमहात्यंप्रारग्यते, यद्वादशमहावाक्यनिंएयिप्रारंभः, शीर्घवोधशठीक प्रारंभःरामचंद्रायनमः तथा इति सारस्वत तद्वित प्रक्रिया समाप्ताः संवत् 1925 श्रीः अश्विनशुक्ल जैसी प्राचीन हस्तलिखित सामग्री शामिल है। इन ग्रंथों की भाषा, लेखन शैली और संरक्षण की स्थिति प्राचीन भारतीय विद्या, संस्कृत साहित्य और धार्मिक अध्ययन की समृद्ध परंपरा को दर्शाती है। आधुनिक तकनीक से संरक्षण (जियो-टैगिंग)- इन दुर्लभ ग्रंथों को ज्ञानभारतम एप के माध्यम से जियो-टैगिंग कर डिजिटल रूप में संरक्षित किया गया है। ये पांडुलिपियां अपने मूल मालिकों के पास ही रहेंगी।

दलबदल से सत्ता के शिखर तक -दलबदल रणनीतिक निवेश- त्रिपुरा अरुणाचल प्रदेश मणिपुर बिहार अबपश्चिम बंगाल से असम तक, भारतीय राजनीति में बदलती रणनीतियों का नया अध्याय -समग्र व्यापक विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» राजनीति केवल वैचारिक प्रतिबद्धता का खेल नहीं रह गई, बल्कि यह चुनावी प्रबंधन, क्षेत्रीय प्रभाव, सामाजिक समीकरण और रणनीतिक विस्तार का अत्यंत जटिल मॉडल बन चुकी है

» राजनीतिक दलों के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता चुनाव जीतना- यदि नेता जनाधार,जातीय समीकरण, क्षेत्रीय प्रभाव और संगठनात्मक नेटवर्क लेकर आता है, तो उसका राजनीतिक अतीत गौण हो जाना आज की हकीकत -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया -वैश्विक स्तरपर भारतीय राजनीति में विचारधारा, संगठन और जनाधार को हमेशा किसी भी दल की सबसे बड़ी ताकत माना जाता रहा है। लंबे समय तक यह धारणा कायम रही कि जो नेता वर्षों तक किसी पार्टी की वैचारिक लड़ाई लड़ते हैं, संघर्ष करते हैं और संगठन को जमीन पर मजबूत बनाते हैं, वही अंततः सत्ता के शीर्ष पदों तक पहुंचते हैं। लेकिन पिछले एक दशक मेंभारतीय राजनीति का चेहरा तेजी से बदला है। अब राजनीति केवल वैचारिक प्रतिबद्धता का खेल नहीं रह गई, बल्कि यह चुनावी प्रबंधन, क्षेत्रीय प्रभाव, सामाजिक समीकरण और रणनीतिक विस्तार का अत्यंत जटिल मॉडल बन चुकी है। इसी बदलते राजनीतिक दौर में एक नई प्रवृत्ति बेहद तेजी से उभरी है,दूसरे दलों से आए नेताओं को मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री जैसे शीर्ष पद देकर क्षेत्रीय राजनीति पर वर्चस्व स्थापित करना। बिहार अरुणाचल प्रदेश सहित पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री बनना और असम में हिमंत बिस्वा सरमा का लगातार मजबूत होते जाना केवल व्यक्तिगत राजनीतिक सफलताएं नहीं हैं, बल्कि यह उस व्यापक रणनीतिक राजनीति का हिस्सा हैं जिसे बीजेपी ने पिछले दशक में व्यवस्थित रूप से विकसित किया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि यह रणनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है,बल्कि इसका उद्देश्य उन राज्यों में स्थायी राजनीतिक आधार बनाना है जहां कभी पार्टी का जनाधार बेहद कमजोर माना जाता था। भाजपा ने यह समझ लिया कि केवल संगठनात्मक विस्तार से क्षेत्रीय किले नहीं जीते जा सकते, बल्कि वहां के प्रभावशाली क्षेत्रीय चेहरों को अपने साथ जोड़कर राजनीतिक समीकरणों को बदला जा सकता है। दरअसल भारतीय राजनीति में दलबदल कोई नई घटना नहीं है। आया राम गया राम की राजनीति दशकों से भारतीय लोकतंत्र का हिस्सा रही है। लेकिन पहले दलबदल अक्सर व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा या तत्काल राजनीतिक लाभ तक सीमित रहता था। आज स्थिति अलग है। अब दलबदल को राजनीतिक दल एक रणनीतिक निवेश की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को केवल पार्टी में शामिल नहीं किया जा रहा, बल्कि उन्हें सत्ता के सबसे ऊंचे पद देकर यह संदेश दिया जा रहा है कि चुनाव जिताने की क्षमता,क्षेत्रीय प्रभाव और जनाधार संगठनात्मक वरिष्ठता से सटीकता से अधिक महत्वपूर्ण हो चुके हैं। साथियों बात अगर हम पश्चिम बंगाल की करें तो इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया। लंबे समय तक भाजपा के लिए बंगाल एक कठिन राजनीतिक क्षेत्र माना जाता था। यहां तृणमूल कांग्रेस का प्रभुत्व था और ममता बनर्जी का जनाधार बेहद मजबूत था।ऐसे में भाजपा ने केवल वैचारिक राजनीति के सहारे संघर्ष करने के बजाय तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष और महत्वाकांक्षाओं को पहचानने की रणनीति अपनाई। शुभेंदु अधिकारी, जो कभी ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद नेताओं में गिने जाते थे,भाजपा के लिए वही चेहरा बने जिसने बंगाल में पार्टी को आक्रामक राजनीतिक पहचान दी। अंततः भाजपा की जीत के बाद उनका मुख्यमंत्री बनना यह दर्शाता है कि पार्टी अब उन नेताओं को शीर्ष पर पहुंचाने में संकोच नहीं करती जो दूसरे दलों से आए हों, बशर्ते वे चुनावी सफलता दिलाने की क्षमता रखते हों।इसी तरह असम में हिमंत बिस्वा सरमा का राजनीतिक सफर भी भारतीय राजनीति के बदलते समीकरणों की बड़ी कहानी है। कभी कांग्रेस के रणनीतिकार माने जाने वाले हिमंत सरमा ने जब भाजपा का दामन थामा, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि वे पूर्वोत्तर में भाजपा के सबसे प्रभावशाली चेहरे बन जाएंगे। भाजपा ने न केवल उन्हें स्वीकार किया, बल्कि उन्हें असम का मुख्यमंत्री बनाकर पूर्वोत्तर की राजनीति का केंद्रीय चेहरा बना दिया। आज स्थिति यह है कि पूर्वोत्तर भारत में भाजपा के विस्तार का सबसे बड़ा श्रेय हिमंत बिस्वा सरमा को दिया जाता है। यह भाजपा की उस राजनीतिक समझ को दिखाता है जिसमें क्षेत्रीय प्रभाव रखने वाले नेताओं को पार्टी की राष्ट्रीय रणनीति के साथ जोड़ दिया गया। साथियों दरअसल पीएम और गृहमंत्री की जोड़ी ने भारतीय राजनीति में चुनावी रणनीति को एक नए स्तर पर पहुंचाया है। दोनों नेताओं ने यह महसूस किया कि कई राज्यों में भाजपा के पास वैचारिक कार्यकर्ता तो हैं, लेकिन स्थानीय सामाजिक समीकरणों को प्रभावितकरने वाले प्रभावशाली चेहरे नहीं हैं। ऐसे में विपक्षी दलों के असंतुष्ट या महत्वाकांक्षी नेताओं को अपने साथ लाकर उन्हें नेतृत्व सौंपना अधिक व्यावहारिक राजनीतिक रणनीति साबित हो सकता है। यही कारण है कि अब भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं को केवल राजनीतिक शरण नहीं मिलती, बल्कि उन्हें सत्ता और संगठन दोनों में निर्णायक भूमिका भी दी जाती है।बिहार में सम्राट चौधरी का सीएम बनना इसी राजनीतिक प्रयोग का नया उदाहरण माना जा रहा है। सम्राट चौधरी पहले राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाइटेड का हिस्सा रह चुके थे। लेकिन भाजपा में आने के बाद जिस तेजी से उनका राजनीतिक कद बढ़ा, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि पार्टी अब पुराने बनाम नए की बहस से आगे निकल चुकी है। पार्टी के लिए सबसे महत्वपूर्ण वह नेता है जो सामाजिक समीकरणों को साध सके, विपक्ष को कमजोर कर सके और चुनावी जीत सुनिश्चित कर सके। त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर जैसे राज्यों में भी यही प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है। त्रिपुरा में माणिक साहा का तेजी से उभरना,अरुणाचल प्रदेश में पेमा खांडू का कांग्रेस से भाजपा तक का सफर और मणिपुर में एन.बीरेन सिंह का कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आना,यह दर्शाता है कि भाजपा ने क्षेत्रीय नेतृत्व के पुनर्निर्माण की कला में महारत हासिल कर ली है। अरुणाचल प्रदेश का घटनाक्रम तो भारतीय राजनीति के सबसे दिलचस्प अध्यायों में गिना जाएगा, जहां कांग्रेस के मुख्यमंत्री रहे पेमा खांडू ने पहले पूरी सरकार के साथ पार्टी बदली और फिर भाजपा में विलय कर लिया। यह केवल दलबदल नहीं था, बल्कि सत्ता संरचना के संपूर्ण पुनर्गठन का उदाहरण था। साथियों इस पूरी रणनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू डबल इंजन सरकार का विचार भी है। भाजपा लगातार यह संदेश देती रही है कि यदि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार हो तो विकास कार्य तेजी से होते हैं। लेकिन इस मॉडल को सफल बनाने के लिए राज्यों में मजबूत क्षेत्रीय चेहरों की आवश्यकता थी। यही कारण है कि पार्टी ने उन नेताओं को आगे बढ़ाया जिनकी अपने क्षेत्रों में व्यक्तिगत पकड़ मजबूत थी। इससे भाजपा को दोहरा लाभ मिला एक ओर विपक्ष कमजोर हुआ और दूसरी ओर पार्टी को स्थानीय स्तर पर स्वीकार्यता मिली।हालांकि इस रणनीति ने भाजपा को चुनावी सफलता दिलाई है। साथियों लेकिन इसके साथ कई विवाद और आलोचनाएं भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ा आरोप यह लगाया जाता है कि भाजपा वॉशिंग मशीन की तरह काम करती है।विपक्ष का कहना है कि जिन नेताओं पर भाजपा विपक्ष में रहते हुए भ्रष्टाचार के आरोप लगाती है, वही नेता भाजपा में शामिल होते ही स्वच्छ घोषित कर दिए जाते हैं। शुभेंदु अधिकारी का मामला इसी बहस को फिर से केंद्र में ले आया है।नारदा स्टिंग ऑपरेशन का मुद्दा वर्षों तक भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल किया। उस समय भाजपा नेताओं ने तृणमूल के कई नेताओं, जिनमें शुभेंदु अधिकारी का नाम भी शामिल था, पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। लेकिन जब वही शुभेंदु अधिकारी भाजपा में आए और अंततः मुख्यमंत्री बने, तब विपक्ष ने भाजपा पर राजनीतिक नैतिकता छोड़ने का आरोप लगाया। शिवसेना (यूबीटी) नेता सहित कई विपक्षी नेताओं ने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई नहीं लड़ रही,बल्कि राजनीतिक लाभ के अनुसार अपने मानदंड बदल रही है।दरअसल यह बहस केवल भाजपा तक सीमित नहीं है। भारतीय राजनीति की लगभग सभी बड़ी पार्टियां अपने-अपने दौर में दलबदलुओं का इस्तेमाल करती रही हैं। कांग्रेस ने भी लंबे समय तक क्षेत्रीय नेताओं को साथ लेकर अपनी शक्ति बढ़ाई थी। कई क्षेत्रीय दलों ने भी विपक्षी नेताओं को शामिल कर सत्ता का विस्तार किया। फर्क केवल इतना है कि भाजपा ने इस रणनीति को अत्यधिक आक्रामक और संगठित रूप में लागू किया है। साथियों राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह बदलाव भारतीय राजनीति में आइडियोलॉजिकल पॉलिटिक्स से इलेक्टोरल पॉलिटिक्स की ओर संक्रमण को दर्शाता है। अब दलों के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता चुनाव जीतना है। यदि कोई नेता जनाधार, जातीय समीकरण, क्षेत्रीय प्रभाव और संगठनात्मक नेटवर्क लेकर आता है,तो उसका राजनीतिक अतीत गौण हो जाता है। यही कारण है कि आज राजनीतिक दलों के भीतर वैचारिक निष्ठा की जगह विनिंग एबिलिटी यानी जीतने की क्षमता अधिक महत्वपूर्ण बन चुकी है। साथियों यह रणनीति दक्षिण भारत में भी आने वाले वर्षों में और अधिक दिखाई दे सकती है।तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और केरल जैसे राज्यों में भाजपा अभी भी पूर्ण राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित नहीं कर पाई है। ऐसे में संभावना है कि पार्टी वहां भी प्रभावशाली क्षेत्रीय नेताओं को अपने साथ जोड़ने की रणनीति को और आक्रामक रूप से अपनाएगी। तेलंगाना में पहले ही कांग्रेस और बीआरएस के कई नेता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। तमिलनाडु में भी भाजपा क्षेत्रीय चेहरों की तलाश में लगातार सक्रिय दिखाई देती है।भारतीय लोकतंत्र के लिए यह बदलाव कई बड़े सवाल भी खड़े करता है। क्या राजनीतिक विचारधारा अब अप्रासंगिक होती जा रही है? क्या संगठन के पुराने कार्यकर्ताओं की भूमिका कम होती जा रही है? क्या राजनीति अब केवल सत्ता प्रबंधन का माध्यम बनती जा रही है? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर आने वाले वर्षों में गंभीर बहस होगी।भाजपा की रणनीति का एक बड़ा असर क्षेत्रीय दलों पर पड़ा है। जिन राज्यों में कभी क्षेत्रीय दल अजेय माने जाते थे, वहां अब उनके भीतर असुरक्षा की भावना बढ़ी है। नेताओं को डर रहता है कि यदि पार्टी नेतृत्व कमजोर हुआ या चुनावी पराजय का खतरा पैदा हुआ, तो बड़े नेता दूसरी पार्टी में जा सकते हैं। इससे क्षेत्रीय दलों की आंतरिक एकजुटता भी प्रभावित हुई है।इसके अलावा यह प्रवृत्ति राजनीतिक कार्यकर्ताओं के मनोबल को भी प्रभावित करती है।जो कार्यकर्ता वर्षों तक पार्टी के लिए संघर्ष करते हैं, उन्हें तब निराशा होती है जब बाहर से आए नेताओं को सीधे शीर्ष पद मिल जाते हैं। लेकिन राजनीतिक दलों के लिए चुनावी सफलता सबसे अधिक सटीक महत्वपूर्ण हो चुकी है। यही कारण है कि वैचारिक समर्पण की तुलना में प्रभावशाली चेहरों की मांग पूर्ण सटीकता से बढ़ती जा रही है। साथियों फिर भी यह कहना गलत होगा कि यह रणनीति पूरी तरह नकारात्मक है। कई बार दूसरे दलों से आए नेता अपने प्रशासनिक अनुभव, क्षेत्रीय समझ और राजनीतिक कौशल के कारण बेहतर शासन भी दे सकते हैं। हिमंत बिस्वा सरमा को भाजपा का सफल प्रशासक माना जाता है। इसी प्रकार कई राज्यों में दलबदल कर आए नेताओं ने चुनावी राजनीति में नए समीकरण बनाए हैं। इसलिए इस रणनीति को केवल नैतिकता बनाम अवसरवाद के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। दरअसल भारतीय राजनीति आज एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां सत्ता की लड़ाई पहले से कहीं अधिक पेशेवर,रणनीतिक और परिणाम केंद्रित हो गई है। राजनीतिक दल अब केवल विचारधारा के आधार पर चुनाव नहीं जीत सकते। उन्हें सामाजिक गठजोड़, मीडिया प्रबंधन, क्षेत्रीय नेतृत्व और चुनावी गणित सभी को साथ लेकर चलना पड़ता है। भाजपा ने इस मॉडल को सबसे प्रभावी ढंग से लागू किया है और यही कारण है कि वह लगातार नए राज्यों में अपनी पकड़ मजबूत करती जा रही है।शुभेंदु अधिकारी से हिमंत बिस्वा सरमा तक की राजनीतिक यात्राएं केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की कहानियां नहीं हैं,बल्कि वे भारतीय राजनीति के बदलते चरित्र का प्रतीक हैं। यह वह दौर है जहां दलों की सीमाएं पहले की तरह कठोर नहीं रहीं। नेता अब विचारधारा से अधिक राजनीतिक संभावनाओं के आधार पर फैसले ले रहे हैं। वहीं राजनीतिक दल भी उन नेताओं को अपनाने में संकोच नहीं कर रहे जो उन्हें चुनावी बढ़त दिला सकते हैं।आने वाले वर्षों में यह रणनीति भारतीय राजनीति को और अधिक बदल सकती है। विशेषकर दक्षिण भारत और उन राज्यों में जहां भाजपा अभी विस्तार के दौर में है, वहां दलबदल और क्षेत्रीय नेतृत्व के पुनर्गठन की राजनीति और तेज हो सकती है। इससे भारतीय लोकतंत्र में प्रतिस्पर्धा और आक्रामक होगी, लेकिन साथ ही वैचारिक राजनीति की जगह सत्ता केंद्रित राजनीति और मजबूत होती दिखाई दे सकती है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे क़ि भारतीय राजनीति का यह नया अध्याय यह बताता है कि लोकतंत्र में केवल विचारधारा ही निर्णायक नहीं होती,बल्कि रणनीति, समय और सत्ता प्रबंधन भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। राजनीति में स्थायी मित्र या दुश्मन नहीं होते स्थायी केवल सत्ता की आवश्यकता और चुनावी गणित होता है। और यही बदलती राजनीति आज भारत के लोकतांत्रिक परिदृश्य को नए रूप में गढ़ रही है।

-संकलनकर्ता लेखक
- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक
चिंतक कवि संगीत माध्यमा
सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन
सनमुखदास भावनानीं गोंदिया
महाराष्ट्र 9226229318

विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता का प्रतीक : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

लेखक- सुनील कुमार महला

राजस्थान के पोखरण में हुए सफल परमाणु परीक्षणों तथा भारत की ऐतिहासिक तकनीकी उपलब्धियों की स्मृति में प्रतिवर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिवस केवल हमारे देश की वैज्ञानिक सफलताओं का ही उत्सव नहीं है, बल्कि यह नवाचार(इनोवेशन), आत्मनिर्भरता, हमारी वैज्ञानिक सोच और राष्ट्र निर्माण के संकल्प का प्रतीक भी है। यह दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि विज्ञान और तकनीक किसी भी राष्ट्र की प्रगति, सुरक्षा और समृद्धि की सबसे मजबूत आधारशिला होते हैं। सरल शब्दों में कहें तो यह दिन भारत की वैज्ञानिक, तकनीकी और नवाचार क्षमता को सम्मान देने के लिए समर्पित है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का सम्मान करना, युवाओं में अनुसंधान(रिसर्च), नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना, आत्मनिर्भर भारत एवं आधुनिक तकनीकी विकास को बढ़ावा देना तथा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और शोधकर्ताओं के योगदान को पहचान देना है। इस अवसर पर विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों को सम्मानित भी किया जाता है तथा इसका आयोजन प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा किया जाता है। गौरतलब है कि पहली बार यह दिवस 11 मई 1999 को मनाया गया था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस दिवस का नामकरण तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किया गया था। दरअसल, उस समय अटल बिहारी वाजपेयी ने जय जवान, जय किसान के नारे के साथ जय विज्ञान जोड़कर विज्ञान को राष्ट्र शक्ति का तीसरा स्तंभ बताया था। दरअसल, 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण-II परमाणु परीक्षण के अंतर्गत सफल परमाणु परीक्षण किए थे, जिन्हें ऑपरेशन शक्ति के कोडनेम से जाना गया। इस मिशन का नेतृत्व तत्कालीन वैज्ञानिक सलाहकार एवं बाद में भारत के राष्ट्रपति बने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने किया था। दरअसल,11 मई 1998 को भारत ने तीन परमाणु परीक्षण किए थे, जबकि इसके दो दिन बाद 13 मई 1998 को दो और परीक्षण सफलतापूर्वक किए गए। इस प्रकार कुल पाँच परमाणु परीक्षणों ने भारत को विश्व के परमाणु शक्ति संपन्न देशों की श्रेणी में स्थापित कर दिया। इन परीक्षणों के बाद भारत दुनिया का छठा परमाणु शक्ति संपन्न देश बना। विशेष बात यह रही कि भारत ने यह उपलब्धि बिना किसी बाहरी सहायता तथा परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर हस्ताक्षर किए बिना प्राप्त की।बहुत कम लोग यह बात जानते हैं कि पोखरण-II परमाणु परीक्षण की पूरी योजना इतनी गोपनीय थी कि कई वरिष्ठ मंत्रियों तक को इसकी जानकारी अंतिम समय में दी गई थी। इतना ही नहीं,परीक्षण स्थल पर वैज्ञानिकों के नाम बदल दिए गए थे और वे सेना के अधिकारियों की तरह पहचान छिपाकर काम कर रहे थे तथा परमाणु परीक्षण की तैयारी रात में की जाती थी, ताकि विदेशी जासूसी उपग्रह गतिविधियों को रिकॉर्ड न कर सकें। परीक्षण के उपकरणों को रेगिस्तान में ले जाते समय उन्हें सामान्य सैन्य-सामान की तरह ढककर रखा गया था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पोखरण परीक्षण के दौरान भारतीय सेना की 58वीं इंजीनियर रेजिमेंट ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन लंबे समय तक उनका योगदान सार्वजनिक चर्चा में कम रहा।परीक्षण से पहले वैज्ञानिकों ने रेत पर पड़े पैरों के निशान तक मिटा दिए थे, ताकि उपग्रहों को किसी असामान्य गतिविधि का संदेह न हो।उस समय भारत आर्थिक चुनौतियों से गुजर रहा था, फिर भी देश ने स्वदेशी तकनीक के बल पर यह उपलब्धि हासिल की।डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम ने परीक्षण के बाद कहा था कि शक्ति ही शक्ति का सम्मान करती है।

तामिलनाडु के द्रविड़ राजनीति में विजय का उदय

लेखक - राज कुमार सिन्हा

वर्तमान तमिलनाडु की राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव आया है। दशकों से चले आ रहे द्रविड़ राजनीति के दो पार्टियां द्रविड़ मुनेत्र कङगम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कङगम (एआईएडीएमके) के वर्चस्व को पीछे छोङते हुए अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कङगम (टीवीके) ने 234 सदस्यीय विधानसभा में 107 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में अपनी जगह बनाई है। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने तमिलगा वेट्री कङगम (टीवीके) पार्टी के अध्यक्ष जोसेफ विजय द्वारा सरकार बनाने के दावे को खारिज कर दिया था।जबकि टीवीके के संस्थापक जोसेफ विजय राज्यपाल अर्लेकर से दो बार मुलाकात कर सरकार बनाने का निमंत्रण देने का अनुरोध किया था। जोसेफ विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने में राज्यपाल की देरी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की गई।यह सर्वविदित है कि संविधान द्वारा शासित संसदीय लोकतंत्र में, किसी राजनीतिक दल या गठबंधन को बहुमत प्राप्त है या नहीं, यह प्रश्न केवल सदन के पटल पर ही निर्धारित किया जा सकता है। दूसरी ओर डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वार्ता और एडप्पाडी पलानीस्वामी के नेतृत्व में सरकार बनाने के प्रयासों की खबरें भी आई जो जनादेश के विरुद्ध था। तमिलनाडु में अंदरखाने राष्ट्रपति शासन लगाने की चर्चा होने लगा था। तमिलनाडु में विजय की सरकार को कांग्रेस, लेफ्ट और वीसीके ने अपना समर्थन दिया है। आईयूएमएल ने भी टीवीके को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है।तामिलनाडु में सरकार गठन के लिए 118 विधायकों का समर्थन चाहिए था जो अब 121 विधायकों का समर्थन मिल गया है। इसके बाद टीवीके की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। इस चुनाव में विजय ने दो विधानसभा सीटों से जीत हासिल की है। हालांकि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन उसके बाद भी सरकार बनाने को लेकर जोसेफ विजय को काफी दिक्कतें आई हैं। हालांकि, मुश्किलों को हल करने में राहुल गांधी की भूमिका काफी अहम रही है। तमिलनाडु में टीवीके चीफ विजय रविवार को राज्य के 9 वें मुख्यमंत्री पद की शपथ लिया है।इनके साथ नौ लोगों ने मंत्री पद का शपथ लिया है।जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके का उदय तमिलनाडु की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। यह केवल एक फिल्म अभिनेता के राजनीति में आने की घटना नहीं है, बल्कि राज्य की बदलती सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों, युवाओं की अपेक्षाओं और द्रविड़ राजनीति के भीतर उभरते खाली स्थान का परिणाम भी है।विजय तमिल सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में से हैं। उनकी फिल्मों में अक्सर सामाजिक न्याय, भ्रष्टाचार विरोध और युवा शक्ति जैसे मुद्दे दिखाए जाते रहे हैं। उनका प्रशंसक नेटवर्क वर्षों से संगठित रूप में काम कर रहा था, जो अब राजनीतिक ढांचे में बदला गया है।टीवीके ने अभी तक खुद को पूरी तरह किसी एक वैचारिक ध्रुव से नहीं जोड़ा है।वे द्रविड़ पहचान, सामाजिक न्याय और तमिल अस्मिता को बनाए रखते हुए "सर्वसमावेशी" छवि बनाना चाहते हैं।वे युवाओं को रोजगार, पारदर्शी व्यवस्था और सुशासन पर जोर देकर नई पीढ़ी को द्रविड़ राजनीति में जोडा है। इस बार के चुनाव में एआईएडीएमके का वोट शेयर लगभग 12 प्रतिशत तक गिरा है। इस बार सिर्फ पार्टी तीसरे नंबर पर पहुंच गई है, बल्कि वह मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी गंवा बैठी है। डीएमके और एआईएडीएमके दोनों पार्टियां पेरियार और अन्नादुरई के सिद्धांतों जैसे सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, हिंदी विरोध को मानती है।1967 से तमिलनाडु में केवल इन दो पार्टियों ने ही सरकारें बनाई हैं, जो बारी-बारी से सत्ता में आती रही हैं। दोनों ही पार्टियों का फिल्मी जगत से गहरा संबंध रहा है, जहां नेता अक्सर पटकथा लेखक या अभिनेता रहे हैं।डीएमके का उदय 1949 में हुआ था।सी.एन. अन्नादुरई ने पेरियार के कुछ विचारों से असहमति के बाद डीएमके बनाई, जो चुनावी राजनीति में उतरी। दक्षिण के बङे अभिनेता एम.जी. रामचंद्रन ने करुणानिधि से विवाद के बाद डीएमके से अलग होकर 1972 में एआईएडीएमके बनाई।बाद में जयललिता ने इस पार्टी की कमान संभाली थी। जयललिता भी दक्षिण की मशहूर अभिनेत्री थी। तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति का इतिहास 1916 में जस्टिस पार्टी की स्थापना से शुरू होकर आज की डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वैचारिक और सत्ता संघर्ष का 110 साल पुराना सफर है।जस्टिस पार्टी की शुरुआत गैर-ब्राह्मण आंदोलन से हुई, जो प्रशासन और शिक्षा में ब्राह्मण वर्चस्व के खिलाफ था।बाद में जस्टिस पार्टी को पेरियार ई.वी. रामासामी ने द्रविड़ कड़गम में बदला, जिसका उद्देश्य स्वतंत्र द्रविड़ नाडु और सामाजिक सुधार था।तमिलनाडु की राजनीति देश के बाकी राज्यों से काफी अलग मानी जाती है। ऐसा इसलिए कि यहां जाति, भाषा, धर्म, क्षेत्रीय पहचान और सामाजिक न्याय की राजनीति ने एक ऐसी विचारधारा को जन्म दिया जिसे द्रविड़ राजनीति कहा जाता है। राज्य की दो सबसे बड़ी पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके एक ही द्रविड़ आंदोलन से निकली है, दोनों की विचारधारा लगभग समान है, लेकिन राजनीतिक रूप से दोनों दशकों से कट्टर प्रतिद्वंद्वी बनी हुई है और पिछले पांच दशक से ज्यादा समय से तमिल राजनीति पर कब्जा किया हुआ है। 1967 का विधानसभा चुनाव तमिलनाडु की राजनीति का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ, जहां डीएमके ने कांग्रेस को हराकर सत्ता हासिल कर ली और सी. एन. अन्नादुरई मुख्यमंत्री बने। यह पहली बार था जब किसी क्षेत्रीय दल ने राज्य में कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया था। इसके बाद तमिलनाडु की राजनीति लगभग पूरी तरह द्रविड़ दलों के नियंत्रण में आ गई। अन्नादुरई की मृत्यु के बाद एम. करुणानिधि डीएमके के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे।1969 में सी.एन. अन्नादुरई के निधन के बाद, कलाइग्नार एम. करुणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने और पांच बार इस पद पर आसीन हुए। उन्होंने 2016 तक हुए सभी 13 विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करके एक रिकॉर्ड बनाया। 2018 में, उनके बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण, डीएमके की आम सभा की बैठक हुई और एम.के. स्टालिन को डीएमके को अध्यक्ष चुना गया था।1980 और 1990 के दशक में तमिलनाडु की राजनीति पूरी तरह करुणानिधि बनाम जयललिता में बदल गई। दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक संघर्ष बेहद तीखा था। विधानसभा से लेकर सड़कों तक टकराव दिखाई देता था। तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी लोकप्रियता महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल स्टारडम से सत्ता नहीं मिलती।एम. जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता सफल हुए क्योंकि उन्होंने मजबूत संगठन और जनकल्याणकारी राजनीति भी विकसित की थी। नई पार्टियों पर अक्सर आरोप लगता है कि वे केवल एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द बनी हैं। यदि टीवीके अलग-अलग चेहरों को आगे करती है, तो वह खुद को "संगठन आधारित पार्टी" के रूप में पेश कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है।

संवैधानिक संस्थानों पर गहराता संदेह और बदलता सियासी मिजाज

लेखक- दिलीप कुमार पाठक

भारतीय लोकतंत्र आज एक दोराहे पर है, जहां चुनाव के नतीजों से ज्यादा चर्चा चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक मर्यादाओं की हो रही है। देश की राजनीति में हाल के दिनों में जो कुछ घटा है—चाहे वह पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और राज्यपाल के बीच का अभूतपूर्व टकराव हो, या फिर विपक्षी नेताओं का जेल जाना - इन सबने आम जनता के मन में कई गंभीर सवाल पैदा कर दिए हैं। क्या हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं वास्तव में स्वतंत्र हैं? या फिर सत्ता की बिसात पर मोहरे अब संस्थानों की गरिमा से बड़े हो गए हैं? सबसे पहले बात करते हैं पश्चिम बंगाल की। वहां संवैधानिक संकट जिस मोड़ पर पहुंचा है, वह भारतीय संसदीय इतिहास के लिए एक चिंताजनक अध्याय है। ममता बैनर्जी ने चुनाव हारने के बाद साफ कह दिया कि हम हारे नहीं है, बल्कि चुनाव आयोग ने हमें हराया है, मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, राज्यपाल चाहें तो मुझे सस्पेंड कर दें, मैं चुनावी प्रक्रिया में धांधली के मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाऊँगी या फिर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट जाऊँगी यह पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया तो राज्यपाल ने सरकार बरख़ास्त कर दी, राज्यपाल ने बरख़ास्त कर दिया ये तो होना ही था, लेकिन इस तरह न नाटकीय घटनाओं से लोकतंत्र कमज़ोर होता है, उसमे सत्ता - विपक्ष दोनों को गहराई से सोचना चाहिए कि आम नागरिको में क्या संदेश जाएगा। क्या लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं सक्रिय राजनीति का अखाड़ा बन गईं हैं? यह सवाल आज हर जागरूक नागरिक पूछ रहा है। वहीं दूसरी ओर, देश में ईवीएम और वोट चोरी को लेकर उठ रहे स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे। हालांकि चुनाव आयोग बार-बार इसकी शुचिता का दावा करता है, लेकिन जब विपक्षी दल और नागरिक समाज के एक बड़े हिस्से में अविश्वास पैदा हो जाए, तो वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। भाजपा की एकतरफा जीत को लेकर भी समाज में दो फाड़ है, समर्थकों के लिए यह विकास की जीत है, तो विरोधियों के लिए यह संसाधनों और संस्थानों के दुरुपयोग का परिणाम। यह कहना भी हास्यापद होगा कि देश में राम राज्य आ गया है, क्योंकि महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव जैसे जमीनी मुद्दे आज भी जस के तस बने हुए हैं। राजनीति की नैतिकता पर सबसे बड़ा प्रहार दलबदल ने किया है। क्षेत्रीय दलों के कद्दावर नेताओं का रातों-रात पाला बदलकर भाजपा के साथ जुड़ना, अब विचारधारा की राजनीति नहीं बल्कि अवसरवाद की राजनीति का प्रतीक बन गया है। जब जनता किसी व्यक्ति को एक खास विचारधारा के लिए चुनती है और वह नेता व्यक्तिगत लाभ या दबाव में दूसरी तरफ चला जाता है, तो यह सीधे तौर पर जनमत का अपमान है। आयाराम-गयाराम की यह संस्कृति लोकतांत्रिक शुचिता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाती है। इन सबके बीच, न्यायपालिका की साख पर भी उंगली उठने लगी है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा अदालत में यह कहना कि - मुझे आप पर विश्वास नहीं है कि आप न्याय करेंगी, केजरीवाल का दावा था कि जज आरएसएस से जुड़ी संस्था अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रमों में कई बार शामिल हुई हैं, जो एक विशेष विचारधारा को दर्शाता है। यह एक बेहद डराने वाली स्थिति की ओर इशारा करता है। जब देश के बड़े नेता और आम आदमी अदालतों की निष्पक्षता पर संदेह करने लगें, तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र का अंतिम स्तंभ भी डगमगा रहा है। न्याय का केवल होना ही काफी नहीं है, बल्कि उसका दिखना भी जरूरी है। आज की राजनीति में स्वतंत्र संस्थानों की विश्वसनीयता सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। चुनाव आयोग, जांच एजेंसियां और यहां तक कि राजभवन - सभी की निष्पक्षता आज सवालों के घेरे में है।

अपने पहले ही मैच में इस 18 वर्षीय बॉलर ने बरपाया कहर! ली हैट्रिक 120 साल में पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली। हर खिलाड़ी चाहता है कि उसका पहला मुकाबला यादगार बने, लेकिन इंग्लैंड के युवा गेंदबाज टॉम नॉर्टन ने तो डेब्यू मैच को ऐतिहासिक बना दिया। 18 साल के इस तेज गेंदबाज ने काउंटी चैंपियनशिप 2026 में ग्लैमोरगन के लिए खेलते हुए अपने फर्स्ट क्लास डेब्यू मैच में ही हैट्रिक ले ली। यह उपलब्धि इतनी खास है कि पिछले 120 साल में ऐसा पहली बार हुआ है। कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में ग्लैमोरगन और समरसेट के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। समरसेट की दूसरी पारी में टॉम नॉर्टन ने लगातार तीन गेंदों पर तीन बल्लेबाजों को आउट कर सनसनी मचा दी। उन्होंने जेम्स रियू, टॉम लैमोनबी और आर्ची वॉन को पवेलियन भेजा। आर्ची वॉन इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के बेटे हैं। इसके बाद नॉर्टन ने विल स्मिड को भी आउट किया और दूसरी पारी में अपने चार विकेट पूरे कर लिए। समरसेट का स्कोर एक समय 32 रन पर छह विकेट हो गया था। टॉम नॉर्टन अब काउंटी चैंपियनशिप डेब्यू मैच में हैट्रिक लेने वाले 1906 के बाद पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले 1906 में डब्ल्यू.ई. बेन्स्किन ने लीसेस्टरशायर की ओर से एसेक्स के खिलाफ डेब्यू मैच में हैट्रिक ली थी। यानी क्रिकेट फैंस को ऐसा नजारा देखने के लिए पूरे 120 साल इंतजार करना पड़ा। नॉर्टन ग्लैमोरगन के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू पर हैट्रिक लेने वाले सबसे कम उम्र के गेंदबाज भी बन गए हैं। टॉम नॉर्टन इंग्लैंड क्रिकेट का उभरता हुआ नाम हैं। उनकी उम्र सिर्फ 18 साल है और उन्हें तेज रफ्तार तथा सटीक लाइन-लेंथ के लिए जाना जाता है।

वैभव का प्रहार, सिराज का बदला

सूर्यवंशी का विकेट मिलते ही सिराज जोश में दहाड़ते नजर आए

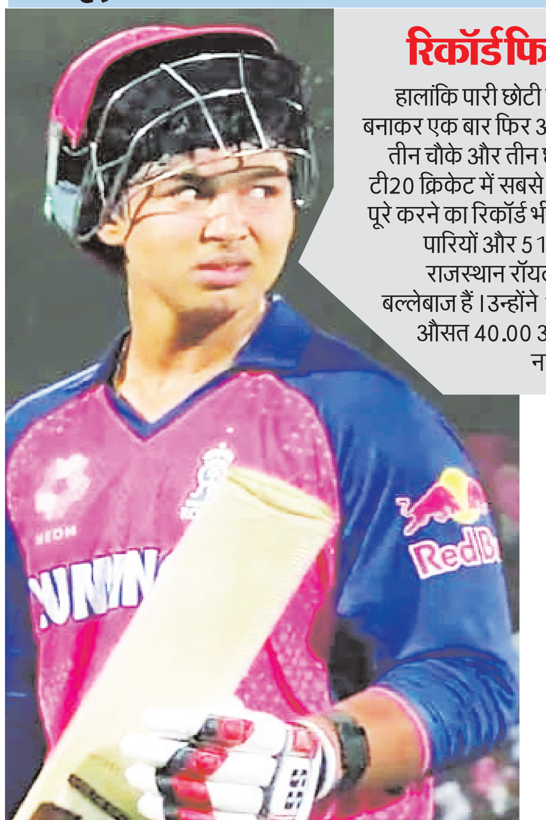

रिकॉर्ड फिर भी वैभव के नाम

हालांकि पारी छोटी रही, लेकिन वैभव ने 16 गेंदों में 36 रन बनाकर एक बार फिर अपनी प्रतिभा दिखाई। इस दौरान उन्होंने तीन चौके और तीन छक्के लगाए। इसी मैच में वैभव ने पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे तेज और सबसे कम उम्र में 100 छक्के पूरे करने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 29 पारियों और 514 गेंदों में हासिल की। वैभव इस सीजन राजस्थान रॉयल्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 11 पारियों में 440 रन बनाए हैं। उनका औसत 40.00 और स्ट्राइक रेट 236.55 रहा है। उनके नाम एक शतक और दो अर्धशतक भी हैं।

गुजरात ने खड़ा किया विशाल स्कोर

इससे पहले गुजरात टाइटंस ने शुभमन गिल (84), साई सुदर्शन (55) और वॉशिंगटन सुंदर (37*) की पारियों की बदौलत 20 ओवर में 229/4 का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में राजस्थान की टीम 16.3 ओवर में 152 रन पर सिमट गई और गुजरात ने 77 रन से जीत हासिल की। वैभव के अलावा रवींद्र जडेजा ने 38 रन बनाए।

जयपुर, एजेंसी। 230 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स को 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार शुरुआत दिलाई। क्रीज पर आते ही उन्होंने मोहम्मद सिराज की पहली गेंद पर लंबा छक्का जड़ दिया। इसके बाद कगिसो रबाडा के ओवर में भी दो छक्के लगाकर अपना इरादा साफ कर दिया। तीसरे ओवर में वैभव ने सिराज पर हमला जारी रखा और चार गेंद में तीन चौके जड़ दिए। स्कोरबोर्ड तेजी से आगे बढ़ रहा था और ऐसा लग रहा था कि युवा बल्लेबाज के सामने अनुभवी गेंदबाज बेबस नजर आ रहे हैं।

नेहरा का इशारा, सिराज का वार

जब वैभव लगातार रन बरसा रहे थे, तभी गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा डगआउट से सिराज को कुछ इशारे करते नजर आए। कैमरे में साफ दिखा कि नेहरा गेंदबाज को समझा रहे थे कि लाइन-लेंथ बदलो और स्मार्ट गेंदबाजी करो। इसके तुरंत बाद सिराज ने 146.6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज बाउंसर डाली। वैभव इस गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी किनारे से लगकर शॉर्ट फाइन लेग की दिशा में गई, जहां अरशद खान ने आसान कैच पकड़ लिया। विकेट मिलते ही सिराज जोश में दहाड़ते नजर आए। यह मुकाबला पूरी तरह पलट चुका था।पहली गेंद पर छक्का मारने के बाद सिराज की यॉर्कर गेंद पर सूर्यवंशी फंसे भी थे और उन्होंने गेंद अपने ही जूते पर दे मारी। इसके तुरंत बाद वह दर्द से जमीन पर बैठ गए थे। गेंद उनके दाहिने पैर की एड़ी के पास लगी थी। फिजियो तुरंत मैदान पर पहुंचे। हालांकि शुरुआती परेशानी के बावजूद सूर्यवंशी ने बल्लेबाजी जारी रखी, लेकिन वह थोड़ा लंगड़ाते हुए नजर आए और आखिर में सिराज ने उन्हें अपनी जाल में फंसा लिया।

रनों के अंतर से गुजरात टाइटंस की सबसे बड़ी जीत, तालिका में बड़ा बदलाव

साई सुदर्शन और शुभमन गिल की तूफानी बल्लेबाजी के बाद राशिद खान और जेसन होल्डर की घातक गेंदबाजी के दम पर गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स पर 77 रनों से शानदार जीत दर्ज की। शनिवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात ने 20 ओवर में चार विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 16.3 ओवर में सिर्फ 152 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई।

गुजरात ने दूसरा स्थान हासिल कियारनों के अंतर के हिसाब से यह गुजरात टाइटंस की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले टीम ने 2023 में मुंबई इंडियंस को 62 रनों से हराया था। वहीं, राजस्थान की चौथी बड़ी हार है। बता दें कि, 2025 से अब तक जयपुर में खेले आठ आईपीएल मैचों में राजस्थान सातवां मैच हारी है। इस जीत के साथ गुजरात 14 अंक लेकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। वहीं, राजस्थान पांचवें पायदान पर खिसक गई।

230 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इस मुकाबले में टीम की कमान संभाल रहे यशस्वी जायसवाल सिर्फ तीन रन बनाकर आउट हुए। महज 16 गेंदों में 36 रन बनाने के बाद वैभव सूर्यवंशी भी मोहम्मद सिराज की गेंद पर अरशद खान को कैच देकर पवेलियन लौटे। ध्रुव जुरेल अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 10 गेंदों में 24 रन बनाकर राशिद खान की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए।

इटेलियन ओपन में सबालेंका और पाओलिनी की सनसनीखेज हार

रोम। टेलियन ओपन में कई चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले, जिसमें महिलाओं की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और गत चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी दोनों बाहर हो गईं। दिन का सबसे बड़ा झटका महिलाओं के सिंगल्स के राउंड ऑफ़ 32 में लगा, जहां दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी सबालेंका ने एक सेट की बढ़त गंवा दी और रोमानिया की सोराना सिस्टिर्या से 2-6, 6-3, 7-5 से हार गईं। सिस्टिर्या ने बेसलाइन से सबालेंका के साथ जोरदार मुकाबला किया और नेट की ओर आक्रामक रुख अपनाकर बेलारूस की इस खिलाड़ी को बार-बार परेशान किया, जिससे उन्हें दूसरे सेट के आठवें गेम में एक महत्वपूर्ण'ब्रेक'हासिल हुआ। सबालेंका को सिस्टिर्या के खेल की विविधता का सामना करने में मुश्किल हुई और उन्होंने लगातार'अनफोर्स्ड एरर' (बिना दबाव के की गई गलतियां) करना शुरू कर दिया। निर्णायक सेट के पांचवें गेम में सिस्टिर्या ने अपने चौथे 'ब्रेक पॉइंट' के मौके को भुनाते हुए एक और 'ब्रेक' हासिल किया और फिर अपनी सर्विस के साथ मैच जीत लिया; यह किसी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ उनके करियर की पहली जीत थी। जीत के बाद सिस्टिर्या ने कहा, 'शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ आप सिर्फ़ सुरक्षित खेल नहीं खेल सकते। वे आपको जीत थाली में परोसकर नहीं देंगी।

मेसी ने रच दिया इतिहास सबसे तेज 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बने

टोरंटो। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने मेजर लीग सॉकरमें एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। मेसी ने टोरंटो एफसी के खिलाफ इंटर मियामी की 4-2 की जीत में एक गोल और दो असिस्ट कर इतिहास में सबसे तेज 100 गोल योगदान देने वाले खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बना दिया। मेसी ने यह उपलब्धि सिर्फ 64 मैचों में हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड सेबेस्टियन जियोविंको के नाम था, जिन्होंने 95 मैचों में 100 गोल योगदान पूरे किए थे। रूरू में 2023 में आने के बाद से मेसी अब तक 59 गोल और 41 असिस्ट कर चुके हैं। यह मुकाबला इंटर मियामी के लिए मेसी का 100वां मैच भी था। वह क्लब के इतिहास में 100 मैच खेलने वाले सिर्फ आठवें खिलाड़ी बने। मेसी के आने के बाद इंटर मियामी ने सफलता का नया दौर देखा है। उनकी कप्तानी में क्लब ने 2023 लीग्स कप, 2024सपोर्टर्स शील्ड, 2025 ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस खिताब और 2025 कप जैसे बड़े खिताब जीते।

मेसी और सुआरेज का जलवा

इंटर मियामी ने मुकाबले में शानदार शुरुआत की। रोड्रिगो डी पॉल की फ्री-किक के बाद मिले रिबाउंड पर गोल कर टीम ने बढ़त हासिल की। इसके बाद सुआरेज ने मेसी के शानदार पास पर गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। 73वें मिनट में मेसी ने सर्जियो रेगुइलोन के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए एक और गोल में मदद की। इसके सिर्फ दो मिनट बाद मेसी ने खुद गोल कर इंटर मियामी की जीत पूरी तरह पक्की कर दी। इस जीत के साथ इंटर मियामी ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में 22 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

व्यापार

भारतीय कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट इंडस्ट्री ने वित्त वर्ष 26 में दिखाई मजबूती

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईसीईएमए) ने आज घोषणा की कि भारतीय कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट (सीई) इंडस्ट्री में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कुल इक्विपमेंट बिक्री में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कुल बिक्री वित्त वर्ष 25 के 1,40,191 यूनिट से घटकर 1,36,995 यूनिट रह गई। इंफ्रास्ट्रक्चर एग्जीक्यूशन की धीमी रफ्तार और प्रोजेक्ट्स में देरी से जुड़ी घरेलू बाजार की अस्थायी चुनौतियों के बावजूद, निर्यात में 32 प्रतिशत के मजबूत उछाल ने इंडस्ट्री को संभाले रखा। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट बाजार बना हुआ है। वित्त वर्ष 25 में इस सेक्टर की अनुमानित वैल्यू 10 अरब डॉलर थी और 8.3 प्रतिशत की सीएजीआर के साथ 2030 तक यह 14.76 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। आईसीईएमए के प्रेसिडेंट और जेसीबी इंडिया लिमिटेड के सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री दीपक शेट्टी ने कहा, वित्त वर्ष 26 में जो मामूली गिरावट देखी गई है, उसे इंडस्ट्री की किसी बुनियादी कमजोरी के बजाय जमीनी स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर एग्जीक्यूशन की धीमी रफ्तार के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। सरकारी कैपेक्स आवंटन ऐतिहासिक रूप से ऊंचे स्तर पर बना हुआ है, लेकिन प्रोजेक्ट एग्जीक्यूशन में देरी, भूमि अधिग्रहण की चुनौतियों और फंड जारी होने में देरी ने साल भर इक्विपमेंट की मांग पर असर डाला। साथ ही, एक्सपोर्ट में 32 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी के साथ इंडस्ट्री ने अपनी मजबूती साबित की, जो भारत में बने कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाती है। हमें भारत के लगातार जारी इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर फोकस के चलते इंडस्ट्री की दीर्घकालिक विकास की राह पर पूरा भरोसा है। आईसीईएमएके प्रेसिडेंट डेजिग्नेट और रिटजेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ श्री रमेश पलागिरी ने कहा, भारतीय कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट इंडस्ट्री धीमे प्रोजेक्ट एग्जीक्यूशन और इंफ्रास्ट्रक्चर क्रियान्वयन की कमियों से जुड़ी अस्थायी चुनौतियों के बावजूद मजबूत बनी हुई है। इंडस्ट्री की दीर्घकालिक बुनियाद मजबूत है, जिसे इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ पर सरकार के फोकस से और ताकत मिल रही है। आगे चलकर इंडस्ट्री की रफ्तार बनाए रखने में समय पर प्रोजेक्ट अवॉर्ड, जमीनी स्तर पर तेजी से काम आगे बढ़ाना और बेहतर क्रियान्वयन दक्षता की अहम भूमिका होगी।

सीबीआई ने रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों के खिलाफ मुंबई में 17 परिसरों की तलाशी ली

मुंबई, एजेंसी। सीबीआई ने शनिवार को रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों - रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड - तथा उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज तीन मामलों के संबंध में मुंबई में 17 परिसरों की तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा, ये तलाशी उपरोक्त कंपनियों के निदेशकों के आवासीय परिसरों के साथ-साथ उन मध्यस्थ कंपनियों के कार्यालय परिसरों में की जा रही है जिनके खातों का उपयोग बैंक कोषों के हेरफेर के लिए किया गया था। कंपनियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। सीबीआई ने शुक्रवार को मुंबई की एक विशेष अदालत से तलाशी का वारंट जारी करवाया था। अधिकारियों ने दावा किया कि तलाशी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन मामलों में बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को हुए कथित नुकसान की कुल राशि 27,337 करोड़ रुपए है। बयान में कहा गया, तलाशी से यह भी पता चला कि कई मध्यस्थ कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं।

टाटा मोटर्स ने लॉन्च किया नेक्सॉन प्योर+ पीएस, कीमत सिर्फ 9.59 लाख रुपये

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी), जोकि भारत की अग्रणी ऑटोमोटिव निर्माता है, ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी टाटा नेक्सॉन का नया वेरिएंट नेक्सॉन प्योर+ पीएस लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 9.59 लाख (दिल्ली) रखी है। खास बात यह है कि यह भारत की पहली ऐसी कार बन गई है, जो 10 लाख रूपये से कम कीमत में पैनोरमिक सनरूफ फीचर ऑफर करती है। कंपनी की मजबूत मल्टी-पावरट्रेन रणनीति को आगे बढ़ाते हुए, नई टाटा नेक्सॉन प्योर+ पीएस भारत के सबसे ज्यादा फ्यूल एफिशिएंट डीजल पावरट्रेन (एमटी और एएमटी) के साथ उपलब्ध होगी। वहीं पेट्रोल (एमटी और एएमटी) और ट्विन सिलेंडर आईसीएनजी (एमटी)

वेरिएंट्स में सेगमेंट का सबसे पावरफुल 1.2-लीटर टर्बोचार्ज्ड इंजन मिलेगा। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कमर्शियल ऑफिसर विवेक श्रीवत्स ने कहा, वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार और पूरे वित्त वर्ष 2026 में देश की नंबर-1 एसयूवी रहने वाली नेक्सॉन आज भी ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है। 10 लाख से ज्यादा के मजबूत परिवार के साथ, नेक्सॉन हर कीमत पर ग्राहकों को एक बेहतरीन ऑल-राउंड पैकेज देने के लिए जानी जाती है। 10 लाख रुपये से कम कीमत में भारत का पहला पैनोरमिक सनरूफ देने वाला नया प्योर+ पीएस वेरिएंट इसकी मजबूती को और बढ़ाता है। पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और भारत की इकलौती एसयूवी के रूप में नेक्सॉन लगातार अलग-अलग ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर रही है और कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत बना रही है। भारतीय सड़कों पर 10 लाख टाटा नेक्सॉन के मील के पत्थर का जश्न मनाते हुए, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी), जो भारत की एक अग्रणी ऑटोमोटिव निर्माता है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में नहीं हुई कोई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई भी बढ़ोतरी नहीं की गई है। घरेलू गैस सिलेंडर और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के रेट पुराने स्तर पर ही बरकरार हैं। इंडियन ऑयल कारपोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम ने गैस सिलेंडर के रेट में आज 10 मई को कोई इजाफा नहीं किया है। बता दें, आखिरी बार कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के रेट में 993 रुपये का बड़ा इजाफा किया गया था। जिसके बाद कई शहरों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का रेट 3000 रुपये को पार कर गया।

कॉमर्शियल सिलेंडर के कब-कब बढ़े दाम : 28 फरवरी को ईरान और इजरायल के बीच युद्ध शुरू हुआ। मार्च में ही इसका असर दिख गया। तब कॉर्शियल गैस सिलेंडर के रेट में 144 रुपये का इजाफा किया गया था। वहीं, अप्रैल के महीने में गैस सिलेंडर का रेट 203 रुपये का बढ़ाया गया था।

अप्रैल से अबतक कीमतों में 47 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी देखने को मिली है। घरेलू गैस सिलेंडर के रेट में मार्च के महीने में बढ़ोतरी की गई थी। तब कीमतों को 60 रुपये बढ़ाया गया था। उसके बाद से कीमतों में कोई इजाफा नहीं किया गया है।

हो रहा है 30,000 करोड़ रुपये का नुकसान : युद्ध की वजह से एलपीजी की सप्लाई प्रभावित हुई है। वहीं, कच्चे तेल की कीमतों में तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। जिसकी वजह से तेल कंपनियों को हर महीने औसतन 30,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। बता दें, बीते महीने सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में कटौती की थी। लेकिन यह राहत नाकाफी साबित हो रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)